PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 199 ● भिलाई, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

जयपुर-आगरा हाईवे पर डिवाइडर से टकराकर ट्रेलर से भिड़ी कार

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे (एनएच-21) पर रात को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 6 युवकों की मौत हो गई। हादसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के कैलाई गांव के पास हुआ। कालाखो गांव के निवासी छह युवक एक कार में सवार होकर यात्रा कर रहे थे। फिर अचानक कार बेकाबू हो गई और हाईवे के डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में जा पहुंची। तभी एक ट्रेलर से कार की जोरदार भिड़ंत हो गई।पुलिस के अनुसार कार में सवार सभी लोग कालाखो गांव के निवासी थे और एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। कार की टक्कर इतनी भीषण थी कि 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि बाद में दो और युवक ने दम तोड़ दिया। हादसे में मृतकों की पहचान लोकेश पुत्र गोवर्धन योगी, दिलखुश पुत्र बनवारी लाल योगी, मनीष पुत्र हरिमोहन योगी, अंकित पुत्र लालराम बैरवा और समयसिंह पुत्र रामसिंह योगी के रूप में हुई है।

मोतिहारी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, तीन की मौत

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में देर रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ये सभी लोग शादी समारोह में भाग लेने जा रहे थे। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा घोड़ासहन थाना क्षेत्र के ढाका-घोड़ासहन मुख्य पथ पर महादेवा के समीप हुआ, जहां एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो पेड़ से जा टकराई। इस घटना में वाहन सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि राजेपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले विनोद प्रसाद के पुत्र का विवाह घोड़ासहन के एक मैरिज हॉल में तय था। विनोद प्रसाद अपने चचेरे भाई अनिल प्रसाद और गांव के उपमुखिया गजेंद्र दास के साथ स्कॉर्पियो से बारात में शामिल होने जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक, महादेवा के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार गाड़ी को बचाने की कोशिश में स्कॉर्पियो चालक ने नियंत्रण खो दिया।

कानपुर बैंक वायरल वीडियो महिला कर्मचारी आस्था सिंह की सफाई, कहा- जांच होनी चाहिए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित एचडीएफसी बैंक की एक शाखा से एक महिला कर्मचारी और ग्राहक के बहस का वीडियो पिछले दिनों वायरल हुआ था। मंगलवार को कर्मचारी ने घटना पर अपना पक्ष रखते हुए जांच की मांग की। आस्था सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि यह घटना 6 जनवरी को हुई थी और इसमें बैंक की एक कर्मचारी का पति शामिल था। आस्था सिंह ने कहा, यह घटना 6 जनवरी की है। इसमें हमारे बैंक की एक कर्मचारी का पति शामिल है। मैं स्वयं इसकी जांच की मांग कर रही हूं।

बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में आईटी की छापेमारी

फील ग्रुप और तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आईटी का छापा

बिलासपुर/ संवाददाता

बिलासपुर शहर में आयकर विभाग ने गुरुवार को कोल व्यापारी और फील ग्रुप के मालिक प्रवीण झा के कई ठिकानों पर एक साथ बड़ी दबिश दी। आयकर विभाग की एक बड़ी टीम शहर पहुंची, जिसने प्रवीण झा के आवास, कार्यालयों और फैक्ट्रियों में सघन जांच शुरू की। एसआईआर सर्वे टीम के स्टीकर लगी गाड़ियों से पहुंची आयकर अधिकारियों ने करीब घंटे भर से अधिक समय से दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगालने का काम जारी रखा। इस कार्रवाई को लेकर विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आयकर विभाग की टीम ने सुबह से ही शहर के विभिन्न इलाकों में स्थित फील ग्रुप के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। प्रवीण झा, जो इस ग्रुप के प्रमुख हैं, के घर और दफ्तरों पर एक साथ कई टीमों ने पहुंचकर जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और कर चोरी के आरोपों के चलते की गई है। अधिकारियों द्वारा जब्त किए जा रहे दस्तावेजों में कंपनी के पिछले कई वर्षों के वित्तीय रिकॉर्ड, निवेश, और अन्य महत्वपूर्ण कागजात शामिल हैं। इस दौरान, किसी भी प्रकार की जानकारी लीक न हो, इसके लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस प्रकार की आयकर छापों का मुख्य उद्देश्य कर चोरी को रोकना और वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देना होता है। विभाग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी व्यवसाय और व्यक्ति निर्धारित कर

नियमों का पालन करें। फील ग्रुप जैसे बड़े व्यावसायिक घराने पर हुई इस कार्रवाई से निश्चित रूप से अन्य व्यवसायों में भी सतर्कता बढ़ेगी। प्राप्त जानकारी के आधार पर, यदि जांच में अनियमितताएं पाई जाती हैं, तो विभाग प्रवीण झा और फील ग्रुप के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई कर सकता है, जिसमें भारी जुर्माना या अन्य दंड शामिल हो सकते हैं। कार्यवाही अभी जारी है और इसके पूर्ण होने पर ही विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है। जांजगीर-चांपा के चांपा-बिर्रा मार्ग पर स्थित तिरुपति मिनरल्स के कार्यालय में आयकर विभाग ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई की। आयकर विभाग की टीम ने कोयला व्यापारी अंशुमान मुरारका के दफ्तर में सुबह से ही दबिश दी हुई है। इस दौरान कार्यालय के भीतर अधिकारियों की टीम दस्तावेजों और लेन-देन की गहन जांच में जुटी हुई है। तिरुपति मिनरल्स के प्रोप्राइटर अंशुमान मुरारका कोयला व्यवसाय से जुड़े हैं। आयकर विभाग की टीम उनके आय-व्यय और खातों की पड़ताल कर रही है। यह कार्रवाई कब तक चलेगी, इस बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। विभाग की ओर से इस संबंध में कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। आयकर विभाग का मुख्य उद्देश्य कर चोरी की आशंकाओं को दूर करना और वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाना है।

पीएम मोदी और शाह ने बीजेपी में शामिल होने का बनाया था दबाव': भूपेश बघेल का दावा-मना करने पर पड़े थे छापे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के एक दावे से छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है। दरअसल, देश के सीनियर वकील कपिल सिब्बल के पॉडकास्ट में एक बड़ा दावा किया गया है। बघेल के दावे के मुताबिक, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने न्योता देकर दिल्ली बुलाया था । इशारे- इशारे में ही बीजेपी में शामिल होने का दबाव बनाया जाता था पर उनके द्वारा आश्वासन नहीं दिए जाने पर और दिल्ली से उनके वापसी होने के कुछ ही दिनों बाद उनके परिजनों और करीबियों के यहां केंद्रीय एजेंसियों के छापे पड़े थे।

रूस के तेल टैरिफ को लेकर ट्रंप पर भड़के

यह गोरी चमड़ी वाला कौन है जो हमें हुक्म दे रहा.....

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अमेरिकी व्यापार समझौते की कड़ी आलोचना करते हुए इसे भारत की संप्रभुता का अपमान बताया। ओवैसी अमेरिका के उस कार्यकारी आदेश पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तेल खरीदने पर भारत के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रावधान है। लोकसभा में बोलते हुए ओवैसी ने कहा, स ट्रेड डील की बात करें तो, ट्रंप ने आदेश निकाला कि अगर हम रूस का तेल खरीदते हैं, तो 25 प्रतिशत

टैरिफ लगाया जाएगा। यह 'गोरी चमड़ी वाला' कौन है जो हमें हुक्म दे रहा है? क्या देश को इसके लिए आज़ादी मिली थी? हम जिससे चाहेंगे तेल खरीदेंगे। आप कौन होते हैं हमें बताने वाले? यह दुख की बात है कि हमारी सरकार चुप है।

आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव नई दिल्ली के विज्ञान भवन में औषधीय पौधों पर चिंतन शिविर के उद्घाटन के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

वीडियो शेयर कर आगबबूला हुए रिजिजू

मोदी को धमकी और स्पीकर को दी गाली

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के चैंबर के भीतर हुई एक कथित घटना ने देश का राजनीतिक पारा चढ़ा दिया है। जहाँ सत्ता पक्ष ने कांग्रेस सांसदों पर स्पीकर के साथ अभद्रता और प्रधानमंत्री को धमकाने का आरोप लगाया है, वहीं विपक्ष ने इसे लोकतंत्र की आवाज दबाने की कोशिश बताया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कांग्रेस सांसदों पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के लगभग 20 से 25 सांसद जबरन लोकसभा

अध्यक्ष ओम बिरला के चैंबर में घुस गए। रिजिजू के अनुसार, इन सांसदों ने न केवल स्पीकर के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें गालियां दीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सीधे तौर पर धमकाया।

---

4 देशों में सर्कुलेट हुई कॉपी

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे की किताब लीक कांड में विदेशी साजिश....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित किताब के कथित सर्कुलेशन को लेकर जांच तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से जुड़े सूत्रों के मुताबिक शुरुआती जांच में सुनियोजित साजिश के संकेत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि किताब का सर्कुलेशन कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के अलावा जर्मनी और अमेरिका में भी हुआ। सूत्रों का कहना है कि नरवणे की किताब को रक्षा मंत्रालय की अनिवार्य क्लीयरेंस प्रक्रिया को कथित रूप से दरकिनार कर योजनाबद्ध तरीके

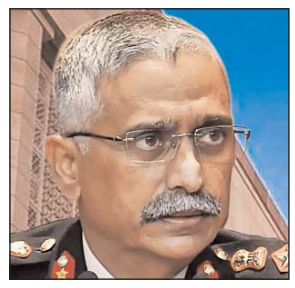

से लीक किया गया। मामले की जांच अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है और स्पेशल सेल इसकी तह तक जाने में जुटी है। स्पेशल सेल ने आपराधिक साजिश से जुड़ी विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। जांच का दायरा अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तक बढ़ाया गया है। पुलिस डिजिटल ट्रेल, पब्लिशिंग नेटवर्क और संभावित अंतरराष्ट्रीय लिंक की भी जांच कर रही है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किताब की पांडुलिपि मैन्युस्क्रिप्ट आधिकारिक प्रकाशन से पहले सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पीडीएफके रूप में कैसे प्रसारित हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच का मुख्य फोकस यह है कि पांडुलिपि के कथित लीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सर्कुलेशन के पीछे कोई आपराधिक साजिश तो नहीं थी।

पुलिस ऑफिस के पीछे मिला मां-बेटी का शव, नाक-मुंह से बह रहा था खून; हत्या की आशंका

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका के नगर थाना क्षेत्र से सुबह एक सनसनीखेज खबर सामने आए है। यहां वीर कुंवर सिंह चौक के समीप स्थित सदर आरक्षी निरीक्षक (सदर इंस्पेक्टर) के बंद पड़े कार्यालय के पीछे वाले बरामदे से पुलिस ने एक महिला और उसकी छह वर्षीय मासूम बेटी का शव बरामद किया है। दोनों के नाक और मुंह से खून बह रहा था, जिसे देख पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे हत्या का मामला माना है। इस दोहरे हत्याकांड की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना का पता तब चला जब बुधवार सुबह स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक करके लौट रहे थे।

भारत की सबसे बड़ी रक्षा डील को डीएसी ने दी मंजूरी

खरीदे जाएंगे 114 नए राफेलजेट और 6पी-8आई एयरक्राफ्ट-सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत की सैन्य ताकत को और मजबूती मिलने जा रही है। रक्षा मंत्रालय की डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। साथ ही भारतीय नौसेना के लिए 6 अतिरिक्त 6पी-8आई समुद्री टोही विमान खरीदने को भी हरी झंडी मिल गई है। यह फैसला रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डीएसी बैठक में लिया गया। अब इस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की अंतिम मंजूरी

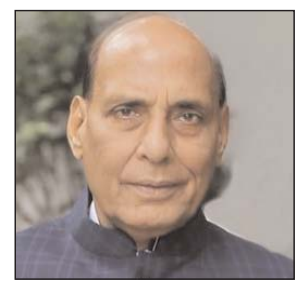

मिलनी बाकी है। करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की यह डील भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रक्षा खरीद में से एक मानी जा रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से ठीक पहले इस फैसले को दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में लगभग 29 स्क्वाड्रन हैं, जबकि जरूरत 42 की मानी जाती है। पुराने विमानों के रिटायर होने के कारण आधुनिक फाइटर जेट्स की तत्काल आवश्यकता थी। इस डील से स्क्वाड्रन संख्या बढ़कर लगभग 35-36 तक पहुंच सकती है। 18 राफेल विमान सीधे 'फ्लाई-अवे कंडीशन' में फ्रांस से मिलेंगे। बाकी 96 विमान भारत में बनाए जाएंगे। स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी शुरुआत में 30त्न और बाद में 60त्न से अधिक हो सकती है। 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा और हजारों रोजगार के अवसर। कुछ विमान दो-सीटर होंगे, जिनका उपयोग प्रशिक्षण के लिए होगा।

तो कभी भी चुनाव नहीं लड़ पाएंगे राहुल गांधी!

सदन में सदस्यता रद्द करने और आजीवन चुनाव पर बैन का प्रस्ताव

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया भाषण को लेकर राजनीतिक विवाद सातवें आसमान पर पहुंच गया है। हालांकि अब यह भी साफहो गया है कि राहुल गांधी के सामने से एक बड़ी मुसीबत टल गई है। इसका बड़ा कारण है कि राहुल गांधी के खिलाफ सरकार विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव नहीं लाएगी, लेकिन गौर करने वाली बात यह भी है कि यह मामला अभी तक पूरी तरह शांत नहीं हुआ है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को राहुल गांधी के द्वारा लोकसभा में दिए गए भाषण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की मांग की थी। सूत्रों के मुताबिक, सरकार इस मामले में सख्त कार्रवाई करने के इरादे में नहीं है। हालांकि, बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने कल लोकसभा में जो भाषण दिया था, उसमें कही गई कुछ बातें और आरोप प्रमाणित नहीं थे। ऐसे में संभावना इस बात की तेज हो गई है कि राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए भाषण के कुछ अंश सदन की कार्यवाही से हटाए जा सकते हैं। भाजपा राहुल के भाषण कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जता रही है। पार्टी के चीफव्हिप संजय जायसवाल ने बजट चर्चा के दौरान राहुल गांधी द्वारा कही गई कुछ बातों को लोकसभा की कार्यवाही से हटाने का औपचारिक नोटिस दिया है। भाजपा का कहना है कि उनके कुछ बयान आपत्तिजनक और तथ्यों से परे हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफएक अलग

मूल प्रस्ताव दायर किया है। यह सामान्य नोटिस से अलग प्रक्रिया होती है। अगर लोकसभा अध्यक्ष इसे स्वीकार करते हैं, तो इस पर सदन में चर्चा और मतदान हो सकता है। ऐसे में प्रस्ताव पारित होने पर राहुल गांधी की संसद सदस्यता जा सकती है। बता दें कि इस पूरे मामले में निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर मांग की है कि राहुल गांधी के कथित 'अनैतिक आचरण' की जांच के लिए एक संसदीय समिति बनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर राहुल गांधी की सदस्यता खत्म करने पर विचार किया जाए। दुबे का आरोप है कि राहुल गांधी ने संसद के अंदर और बाहर ऐसे बयान दिए हैं, जिससे देश की एकता और संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने दावा किया कि 11 फरवरी के भाषण में राहुल ने पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित किताब का गलत संदर्भ देकर सेना, रक्षा मंत्रालय और प्रधानमंत्री की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। दुबे ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी कई मंत्रालयों पर बिना सबूत के आरोप लगाते हैं। साथ ही उनकी विदेश यात्राओं और फंडिंग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। पत्र में इन मामलों की जांच की मांग की गई है। गौरतलब है कि इस पूरे मामले पर कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया।

वित्त मंत्री के जवाब के बाद कांग्रेस ने किया बचाव

निर्मला सीतारमण ने राहुल के आरोपों का जवाब देते हुए 2013 के डब्ल्यूटीओ एग्रीमेंट की याद दिलाई, जिसे कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने किया था। उन्होंने तर्क दिया कि उस समय किसानों के हितों को गिरवी रखा गया था, जिसे 2017 में पीएम मोदी ने सुधारा। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें से चौथे नंबर पर पहुँच गई है और राहुल के आरोप देश की उपलब्धियों को कमतर दिखाते हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि उन पर इन मुकदमों या प्रस्तावों का कोई असर नहीं होने वाला है। उन्होंने व्यापार समझौते पर राहुल की चिंताओं को दोहराते हुए कहा कि पूरी लेबर यूनियन हड़ताल पर है और कांग्रेस किसानों और मजदूरों के अधिकारों के लिए उनके साथ खड़ी है।

ग्राम जांता में शाला उन्नयन कार्यक्रम में शामिल होकर की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एक दिवसीय प्रवास पर बेमेतरा पहुंचे

बेमेतरा। प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव बीते बुधवार को अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान ग्राम जांता स्थित हाई स्कूल में आयोजित शाला उन्नयन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर तेलघानी विकास बोर्ड अध्यक्ष छ.ग. शासन जितेंद्र साहू, पूजा देवदत्त मिश्रा सरपंच ग्राम जाता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री यादव का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया तथा विद्यालय परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन भी किया गया।

स्मार्ट क्लास और आधुनिक सुविधाओं पर जोर

अपने उद्बोधन में शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घोषणा की कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को समझने में आसानी होगी और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी शहरी स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

150 स्कूलों को आदर्श सीबीएसई स्कूल बनाने की पहल

श्री यादव ने बताया कि प्रदेश के 150 विद्यालयों को आदर्श सीबीएसई स्कूल के रूप में विकसित करने की मांग शासन स्तर पर की गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का स्तर मजबूत होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को भविष्य में व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

नया पाठ्यक्रम लागू करने की घोषणा

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी विद्यालयों में नया पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक विशेषताओं को समाहित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को अपने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों, परंपराओं और विरासत की समग्र जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित होनी चाहिए।

आधारभूत संरचना के विकास की घोषणाएं

कार्यक्रम के दौरान मंत्री यादव ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के उन्नयन की घोषणा करते हुए विद्यालय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण, चबूतरा निर्माण, खेल मैदान का विकास, शौचालय निर्माण तथा साइकिल स्टैंड की व्यवस्था करने की बात कही।

उन्होंने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए छात्रावास परिसर से गुजर रहे हाई टेंशन तार को हटाने की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त अधूरे आहता निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बेहतर भौतिक संसाधन उपलब्ध होने से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी तथा सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता एवं अधोसंरचना विकास जैसे विभिन्न पहलुओं पर समन्वित कार्य किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम और अनुशासन के साथ अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। ग्राम जांता में आयोजित यह शाला उन्नयन कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नवागढ़ पीएम श्री उत्कृष्ट आत्मानंद हिन्दी मिडियम के कक्षा 12वीं के छात्राओं का विदाई समारोह...

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ - पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शास. उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय-नवागढ़ में प्राचार्य अलकनंदा मेश्राम के मार्गदर्शन में कक्षा 12वीं के छात्राओं को विदाई दिया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र पर फूल माल्यार्पण और गुलाल लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत ही तत् पश्चात् स्कुली छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत सहित अलग अलग वाद्य वादन ,कविता पाठन,तथा सामुहिक नृत्य कर भविष्य में एक यादगार पल के रूप में संजोए रखने व आगामी भविष्य में किसी भी फिल्ड में अपनी एक पहचान बनाए रखने व उज्जवल भविष्य की ओर कदम आगे बढ़ाने की भी मार्ग दर्शन किया। बच्चे अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि को कभी नही भूल सकते। विदाई समारोह कार्यक्रम के दौरान कक्षा- 9वीं, 10वीं और 11वीं के छात्राओं द्वारा अपने सीनियर के लिये गीत,कविता,और नृत्य भी प्रस्तुत किये गये और

सीनियर छात्राओं के यादगार के लिए 12वीं सीनियर छात्राओ के लिए भी गीत संगीत प्रतिस्पर्धा रखा गया जिसमे बच्चे काफी उत्साहित दिखाई दिए।

विदाई समारोह में सुशीला सोनी,मेनका सोनी,वर्षा वर्मा,प्रतिमा बनाफर मैम ,मोरध्वज गायकवाड, लोकेश्वर साहू, दिग्विजय वारे सर उपस्थित रहे। सभी शिक्षको ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुये मेहनत और लगन से अच्छे अंक से पास होने की शुभकामना दिये।

कैट महिला कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक नागपुर मे

बेमेतरा। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर महिला व्यापार नेटवर्किंग को मजबूत करने के उद्देश्य से कैट महिला कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक नागपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में देशभर से महिला उद्यमियों ने सहभागिता की और महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में व्यापक चर्चा की गई।बैठक में विशेष रूप से अध्यक्ष निहारिका त्रिपाठी, सचिव प्रतिज्ञा सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष फिरोज अलीम ,उपाध्यक्ष अनामिका दुबे उपस्थित रहे। सभी ने महिला उद्यमियों को संगठित करने, उन्हें राष्ट्रीय मंच से जोड़ने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के विषय पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर यह घोषणा की गई कि फिरोज अलीम

टीम बिलासपुर से सयोंजक एवं निहारिका त्रिपाठी, अनामिका दुबे, प्रतिज्ञा सिंह को कैट महिला कोर टीम में शामिल किया गया है, जो महिला उद्यमिता को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उनके चयन से छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों की महिला उद्यमियों को सशक्त प्रतिनिधित्व मिलेगा।बैठक के दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, व्यापारिक अवसरों से जोड़ने तथा आगामी भारतीय व्यापार महोत्सव में महिला सहभागिता को प्राथमिकता देने पर भी विशेष चर्चा की गई।अंत में यह संकल्प लिया गया कि देशभर की व्यापारी महिलाओं को एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से जोड़कर उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंच प्रदान किया जाएगा।

हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के परिपालन हेतु जिला स्तरीय बैठक संपन्न

बेमेतरा।उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण संबंधी जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से बीते बुधवार दोपहर 3 बजे अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीजे संचालक, मैरिज भवन संचालक, कार्यक्रम आयोजक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही एसडीओपी बेमेतरा, थाना प्रभारी, नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरूह्र) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे) के प्रयोग, समय-सीमा, ध्वनि की अधिकतम सीमा तथा प्रतिबंधित समयावधि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। एसडीएम भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के आदेशानुसार रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा, सिवाय शासन द्वारा घोषित विशेष अवसरों के। निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक ध्वनि का प्रसारण दंडनीय अपराध माना जाएगा।उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालय परिसरों एवं अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित संचालकों को ध्वनि नियंत्रण यंत्र (साउंड लिमिटर) का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। बिना अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पाए जाने पर उपकरणों की जब्ती, चालानी कार्रवाई तथा दंडात्मक प्रकरण दर्ज किया जाएगा। एसडीओपी एवं थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों एवं आयोजकों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जाएगी। नगर पालिका ष्टरूह्र ने मैरिज हॉल एवं कार्यक्रम स्थलों के संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने परिसर में ध्वनि नियंत्रण संबंधी शर्तों का स्पष्ट उल्लेख करें तथा आयोजकों से नियमों के पालन का लिखित आश्वासन लें। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात परिसर की शांति व्यवस्था बनाए रखना भी संचालकों की जिम्मेदारी होगी।

बारात में आए पूर्व अपराधी रिकॉर्ड वाले आरोपियों द्वारा हत्या करने की नियत से धारदार वस्तु से प्राण घातक हमला कर चोंट पहुंचने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। प्रार्थी दिनेश निषाद उम्र 27 वर्ष निवासी करमू थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 10 फरवरी 2026 को इसके बडे पापा की लडकी की शादी में इनके घर पर बारात आये थे कि अंश पासवान एवं हरीश बाग निवासी मडौदा थाना नेवाई जिला दुर्ग के द्वारा खाना-खाने के दौरान बार-बार पापड़ एवं बड़ा मांगने की बात को लेकर इन दोनो के द्वारा एक राय होकर वाद-विवाद करते हुए हत्या करने की नियत से भोला राम निषाद और गजानंद निषाद को अश्लील गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर अपने-अपने पास रखे धारदार वस्तु से सिर, कान व जांघ एवं अन्य जगहों पर हमला कर चोंट पहुंचाया है भोला निषाद उम्र 24 साल, निवासी ग्राम करमु थाना थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा एवं गजानंद निषाद उम्र 25 साल, साकिन बाजार चारभाठा, थाना सहसपुर लोहारा, जिला कबीरधाम का सीएचसी खम्हरिया उपचार बाद, गजानंद

निषाद को हायर सेंटर रिफर किया गया। कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा 109(1),3(5) क्चहृस् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस उप महानिरीक्षक (ष्ठढ्ढत्र) रामकृष्ण साहू (ढ्ढक्क) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खम्हरिया निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा को थाना स्टाफके साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु, अंश पासवान और हरीश बाघ निवासी मडौदा थाना नेवाई जिला दुर्ग को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया। पुछताछ करने पर पताचला कि 10 फरवरी 2026 को आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु अपने दोनों दोस्त अंश पासवान तथा हरिश बाघ को लेकर शंकर पारा स्टेशन मरोदा से ग्राम करमू सभी बारातियो के साथ बस में आये थे। खाना-खाने के दौरान बार-बार पापड एवं बडा मांगने की बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। उसी बात पर गुस्सा होकर आरोपी लुपसिंह निषाद उर्फ नानु, अंश पासवान तथा हरिश बाघ तीनों ने एक राय होकर दो खाना परोसने वाले को अपने पास रखे धारदार वस्तु से जान से मारने के नियत से प्राणघातक वार करना तथा तीनो दोस्त अंधेरे में भाग जाना। विवेचना के दौरान आरोपियों का पूर्व अपराधिक रिकार्ड भी होना पाया गया है। आरोपी 01. अंश पासवान उर्फ धन पिता मनीष पासवान उम्र 18 वर्ष, निवासी स्टेशन मरोदा शंकर पारा वार्ड नं. 27 थाना नेवई जिला दुर्ग, 02. हरीश बाघ पिता मोती बाघ उम्र 23 साल, निवासी स्टेशन मरोदा शंकर पारा वार्ड नं. 21 थाना नेवई जिला दुर्ग, 03. लुपसिंह निषाद उर्फ नानु पिता रामाधार निषाद उम्र 22 साल, निवासी गुवारा, थाना थान खम्हरिया, जिला बेमेतरा हाल पता स्टेशन मरोदा थाना नेवई जिला दुर्ग को आज 11 फरवरी 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

समय-सीमा बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्य पूर्ति में तेजी लाने के निर्देश

लंबित प्रकरणों के निराकरण में विभागीय अधिकारी दिखाएं संवेदनशीलता : कलेक्टर

बेमेतरा।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में जिले के समस्त विभागीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शासन द्वारा संचालित विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का विभागवार आकलन किया गया। कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, ऐसे में सभी अधिकारी वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागों में लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही का परिचय दिया जाए। अनावश्यक विलंब को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी-कलेक्टर ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के शीघ्र पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के लिए अपने स्वयं के पक्के घर का सपना साकार करने का माध्यम है। इस योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता की जांच एवं हितग्राहियों को समय पर किस्त भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मनरेगा कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश-ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, उन्हें वित्तीय वर्ष समाप्ति से पूर्व पूर्ण करना अनिवार्य है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि स्वीकृत कार्य समय पर पूर्ण नहीं हुए तो जिम्मेदार अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मनरेगा के माध्यम से अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा परिसंपत्तियों के निर्माण में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखी जाए।

अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों में बरतें संवेदनशीलता-बैठक में कलेक्टर ने शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों के सेवा काल में आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवारों के लिए अनुकंपा नियुक्ति एक महत्वपूर्ण सहारा होती है, इसलिए इन प्रकरणों का शीघ्र एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित अनुकंपा नियुक्ति प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। इसके साथ ही पेंशन प्रकरणों के निराकरण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को समय पर लाभ प्राप्त हो सके।

वित्तीय अनुशासन एवं लक्ष्य पूर्ति पर जोर-कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने सभी विभागों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने, बजट का समुचित उपयोग करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नियमित मॉनिटरिंग, फील्ड निरीक्षण एवं जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य संस्कृति अपनाकर ही जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक के अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि लंबित प्रकरणों के निराकरण, योजनाओं की प्रगति एवं जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने वाले पति,सास-ससुर भेजे गये जेल

रायपुर। जिले के मुलमुला थानाक्षेत्र में एक महिला को दहेज के नाम पर प्रताड़ित करने तथा उसे आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करने वाले पति तथा सास-ससुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका जागृति श्रीवास निवासी नरियरा थाना मुलमुला का विवाह महेश कुमार श्रीवास निवासी नरियरा के साथ वर्ष 2024 में सामाजिक रीति रिवाज से हुआ था। विवाह के बाद एक माह तक अच्छे से रखे फिर दहेज के नाम से मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे तथा पति द्वारा मारपीट कर शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। दिनांक 08.12.25 को पुन: जागृति श्रीवास को पति महेश श्रीवास के द्वारा मारपीट करना तथा सास-ससुर के द्वारा गालीगलौच करने से परेशान होकर जागृति ने कीटनाशक जहर सेवन कर लिया था जिसे उपचार के लिये सिम्स अस्पताल बिलासपुर ले जाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतिका के नवविवाहिता होने से उसके शव पंचनामा कार्यवाही कार्यपालिक दंडाधिकारी बिलासपुर से कराया गया है एवं परिजनों का कथन लेखबद्ध किया गया है। जिसमें पति- महेश श्रीवास, सास- राजकुमारी श्रीवास, एवं ससुर अशोक श्रीवास के द्वारा दहेज में कम समान लाई हो कहकर शादी के मात्र एक माह पश्चात से मानसिक तथा पति के द्वारा मारपीट कर लगातार शारीरिक प्रताड़ित करने से तंग होकर ही दिनांक घटना 08/12./2025 को अपने घर में रखे नामक कीटनाशक जहर सेवन करने से होना पाया गया है बिना नंबरी मर्ग डायरी प्राप्त होने पर थाना मूलमुला में नंबरी मर्ग क्रमांक 03/.2026 धारा 194 व्ह्स् का पंजीबध्द कर विवेचना किया गया मर्ग जांच पर पति महेश श्रीवास, सास राजकुमारी श्रीवास, ससुर अशोक श्रीवास के ऊपर अपराध धारा 80,3(5) बीएनएस का घटित होना पाए जाने से अपराध अपराध क्रमांक 36/ 2025 धारा 80,3(5)बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण नवविवाहिता की दहेज हत्या से संबंधित होने पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के द्वारा त्वरित कार्यवाही करने की आदेश मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी प्रदीप सोरी के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित कर प्रकरण सदर के आरोपियों को आज दिनांक 10 2 2026 के घेराबंदी कर ग्राम नरियरा से अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 1032 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना।कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज आरंग टीम बी द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल गुल्लु एवं मिडिल स्कूल बाना में 240 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 2 एवं 8 छेरीखेड़ी में 173 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 6 एवं 7 मठपुरैना में 165 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा लायंस हैंडिकैप्ड स्कूल भनपुरी में 103 बच्चों की स्क्रीनिंग, अभनपुर टीम बी द्वारा प्राथमिक शाला अभनपुर में 137 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा संतोषी नगर के गंनबाड़ी केंद्र ताज नगर, इमामबाड़ा एवं शिवनगर में 133 बच्चों की स्क्रीनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक शाला एवं मिडिल स्कूल जलसो में 184 बच्चों की स्क्रीनिंग व पूरे जिले में आज कुल 1032 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

नए वित्तीय वर्ष के लिए सभी विभाग कार्य योजना बनाएं - डॉ. गौरव सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक लेते हुए विभिन्न विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से डीईएएफमीपी (ष्ठश्वस्र) एवं निष्क्रिय खातों,लंबित राजस्व प्रकरणों, कॉल सेंटर से प्राप्त आवेदनों पर चर्चा की गई।लेक्टर ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में सभी विभागों द्वारा निर्माणाधीन विकास कार्यों जल्द पूरा एवं संबंधित जिला अधिकारियों के माध्यम से प्रशासन को सूचना दे। साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों से प्राप्त पत्रों पर तत्काल कार्यवाही कर शीघ्र जवाब भेजने के कहा एवं सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को नए वित्तीय वर्ष के लिए विभागों की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का जल्द निराकरण करें, इसके साथ ही कॉल सेंटर एवं अन्य लंबित शिकायतों का भी समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए।इसके अलावा कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे ष्ठश्वस्र एवं द्द बैंक खातों के निराकरण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें।बैठक के पश्चात कलेक्टर डॉ गौरव सिंह एवं निगम आयुक्त श्री विश्वदीप सहित अन्य सभी जिला स्तरीय अधिकारियों ने फाइलेरिया रोधी दवा खाकर फाइलेरिया अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया।बैठक में एडीएम श्री उमाशंकर बंदे सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पशुपालन योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे केंद्रीय दल.....

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संचालित केन्द्रीय पशुपालन योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली द्वारा तीन राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक (नेशनल लेवल मॉनिटर) नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी 9 से 14 फरवरी 2026 तक दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिलों का दौरा कर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करेंगे।इस दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर जाकर परीक्षण करेंगे। भ्रमण दल में भारत सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।भ्रमण कार्यक्रम के पहले दिन संचालनालय स्तर पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, पशुधन विकास विभाग तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा केन्द्र से आए अधिकारियों और नेशनल लेवल मॉनिटर दल को योजनाओं की प्रगति की जानकारी दीकृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया।

अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाए

मदिरा एवं मादक पदार्थों के अवैध संग्रहण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

आबकारी विभाग की सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती आर. शंगीता ने आज नवा रायपुर स्थित कार्यालय में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और आगामी महीनों के लिए जिलेवार विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी जिलों, उड़नदस्ता, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर सचिव सह आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठोस रणनीति अपनाने, दुकानवार समीक्षा करने और अनुशासन के साथ कार्य संपादन के निर्देश दिए। सचिव सह आबकारी आयुक्त श्रीमती शंगीता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं की मांग के अनुसार मदिरा स्कंध का संधारण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया किया मदिरा दुकानों में उपभोक्ताओं के मांग के अनुरूप मदिरा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री न हो। उन्होंने अधिकारियों को मदिरा दुकानों में नियम और अनुशासन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। दुकानों में उपलब्ध मदिरा को नियमानुसार दरों सहित रैकों में प्रदर्शित करने कहा गया, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शिता और सुविधा मिल सके। श्रीमती शंगीता ने बैठक में राजस्व लक्ष्य की जिलेवार समीक्षा करते हुए जिन जिलों ने जनवरी माह तक लक्ष्य की प्राप्ति की है, उन्हें सतत् कार्य जारी रखने के निर्देश दिए गए। वहीं लक्ष्य से पीछे चल रहे जिलों को इसके कारणों की दुकानवार समीक्षा कर कमी की पूर्ति हेतु विस्तृत कार्य-योजना बनाकर तत्परता से अमल में लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को इस बात की स्पष्ट हिदायत दी कि मदिरा में किसी प्रकार की मिलावट न होने पाए। इसके लिए सभी जिला अधिकारी सप्ताह में कम से कम दो दिन आकस्मिक निरीक्षण करने और वहां पाई गई अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई और दोषी कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त कर ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, दुकानों में पेटीएम या अन्य कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए। सचिव सह आयुक्त ने प्रदेश में संचालित बारों, क्लबों, होटलों और ढाबों की आकस्मिक जांच करने तथा समय पश्चात संचालन अथवा अवैध मदिरा विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध मदिरा एवं अन्य मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, तस्करी और विक्रय पर सख्त नियंत्रण रखने हेतु आवश्यकता पड़ने पर पुलिस विभाग से सहयोग लेने के निर्देश दिए गए। राज्य की अंतरराज्यीय सीमाओं पर स्थित आबकारी जांच चौकियों को अन्य राज्यों की मदिरा के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने और सीसीटीवी कैमरों के सुचारू संचालन की निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विभाग में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई तथा कर्मचारियों के पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति से संबंधित प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए।

असम के मुख्यमंत्री ने गोगोई और भूपेश बघेल के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया....

रायपुर। संवाददाता

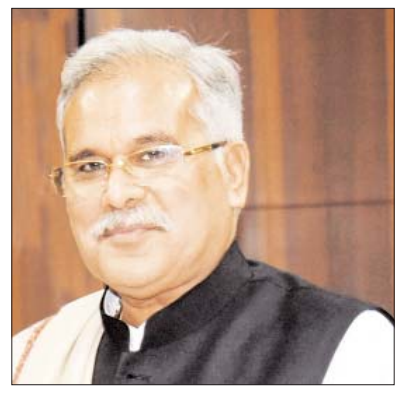

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई, भूपेश बघेल और जितेंद्र सिंह अलवर के खिलाफ 500 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग करते हुए सिविल और क्रिमिनल मानहानि का केस किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने कहा कि यह केस कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन पर लगाए गए झूठे, गलत इरादे वाले और बदनाम करने वाले आरोपों के सिलसिले में फाइल किया गया है। उन्होंने दोहराया कि वह पॉलिटिकल दबाव या पब्लिक हमलों से नहीं डरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हिट-एंड-रन पॉलिटिक्स का जमाना खत्म हो गया है। अगर उनमें जरा भी हिम्मत या सबूत हैं, तो उन्हें हर आरोप को कोर्ट में साबित करना चाहिए। केस फाइल करने से कुछ दिन पहले सीएम सरमा ने पब्लिक में ऐलान किया था कि वह आरोपों को लेकर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगे, जिससे उनके यह कदम राजीव भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के उपाय करने के इरादे का इशारा मिला। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस लीडरशिप पर मिलकर बदनामी करने और पॉलिटिकल ड्रामा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह हमला गांधी परिवार के कहने पर किया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पर्सनल बुराई के बजाय मुद्दों और गवर्नेंस पर फोकस करना चाहिए। मुख्यमंत्री का बाद आया, जहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर गौरव गोगोई ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। गोगोई ने कहा कि पोर्टल का मकसद सीएम सरमा की पॉलिटिकल जर्नी और गवर्नेंस स्टाइल की जांच करना था। साथ ही, दावा किया कि इसमें मुख्यमंत्री की पब्लिक लाइफ से जुड़े डॉक्यूमेंट्स, वीडियो और दूसरी चीजें हैं। कांग्रेस नेता ने कहा था कि इस पहल का मकसद असम के लोगों के सामने फैक्ट्स रखना और अकाउंटेबिलिटी को बढ़ावा देना है। गोगोई ने यह भी ऐलान किया था कि कांग्रेस ने इसी तरह के कंटेंट वाला एक पैम्फलेट जारी किया है, जिसे एक बड़े आउटरीच प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर पूरे राज्य में बांटा जाएगा। गोगोई की बातों को दोहराते हुए बघेल ने जोर देकर कहा था कि ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी डेमोक्रेसी के जरूरी पिलर हैं, खासकर जब असम अहम पॉलिटिकल माइलस्टोन की ओर बढ़ रहा है।

दुर्लभ हॉर्नबिल संरक्षण की विशेष पहल उदंती-सीतानदी में विकसित हो रहे उद्यान

रायपुर/ संवाददाता

हॉर्नबिल दुनिया के सबसे आकर्षक और अनोखे पक्षियों में से एक हैं। इनका विशाल आकार, बड़ी चोंच, आकर्षक और रंगीन पंखुड़ियाँ और आमतौर पर शोरगुल भरा व्यवहार इन्हें हर जगह आसानी से पहचान दिलाते हैं। इनके घोंसला बनाने की विचित्र आदतें भी कई विशेषताओं में से एक हैं जो हॉर्नबिल को इतना दिलचस्प बनाती हैं। छत्तीसगढ के उदंती-सीतानदी में दुर्लभ मालाबार पाइड हॉर्नबिल पक्षियों के संरक्षण के लिए विशेष प्राकृतिक उद्यान विकसित किए जा रहे हैं, जिन्हें हॉर्नबिल रेस्टोरेंट के रूप में तैयार किया जाएगा। हॉर्नबिल को जंगल का किसान मानते हुए उनके विलुप्त होने के जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक हैं कि हॉर्नबिल प्रजातियों के लिए घोंसलों की निगरानी, कृत्रिम घोंसले लगाने, अनुसंधान और स्थानीय समुदाय की भागीदारी (घोंसला गोद लेने का कार्यक्रम) के माध्यम से संरक्षण कार्य किया जाए। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में एक नई पहल कर रहा है। यह रेस्टोरेंट किसी प्रकार का कृत्रिम निर्माण नहीं होगा, बल्कि जंगल और आसपास के क्षेत्रों में फ्लदार वृक्षों का प्राकृतिक समूह विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत पीपल, बरगद तथा फाइकस प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे, जिनके फ्ल हॉर्नबिल पक्षियों का प्रमुख आहार हैं। इस पहल का उद्देश्य इन पक्षियों को पूरे वर्ष प्राकृतिक भोजन उपलब्ध कराना और उनके सुरक्षित आवास को बढ़ावा देना है। हॉर्नबिल को घोंसला बनाने के लिए जरूरी पेड़ों को लगाने और उनकी निगरानी करने के प्रयास। उल्लेखनीय है कि सामान्यत: पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाए जाने वाले ये पक्षी अब उदंती-सीतानदी की अनुकूल जलवायु और हरियाली के कारण यहां अधिक संख्या में दिखाई देने लगे हैं। पहले जहां इनका दर्शन कभी-कभार होता था, वहीं अब सप्ताह में दो से तीन बार इनकी उपस्थिति दर्ज की जा रही है। हॉर्नबिल पक्षियों को फॉरेस्ट इंजीनियर या जंगल का प्राकृतिक माली भी कहा जाता है, क्योंकि ये फ्ल खाने के बाद बीजों को दूर-दूर तक फैलाते हैं, जिससे वनों का प्राकृतिक विस्तार होता है। समुद्र तल से लगभग 800 से 1000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित उदंती-सीतानदी का पहाड़ी क्षेत्र इन पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास सिद्ध हो रहा है। इन दुर्लभ पक्षियों की सुरक्षा और निगरानी के लिए विशेष ट्रैकिंग टीमें गठित की गई हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के साथ स्थानीय प्रशिक्षित युवाओं को भी इसमें शामिल किया गया है।

23 फरवरी से शुरू हो रहा है बजट सत्र

राज्यपाल के भाषण में सरकार की उपलब्धियां का होगा उल्लेख

रायपुर/ संवाददाता

विस के 23 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र का आगाज राज्यपाल के अभिभाषण से शुरू होगा। राज्यपाल रामेन डेका सरकार की उपलब्धियों को गिनाएंगे। इसके पहले विस सत्र के दोनों सत्र के बीच जिन सदस्यों की मृत्यु हो गई उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार परंपरानुसार राज्यपाल बजट सत्र का शुभारंभ अपने अभिभाषण शुरू करते है कर्नाटक तथा तमिलनाडु में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच तनाव बरकरार होने के कारण यह परंपरा प्रभावित हो रहे है। जबकि छग में राज्यपाल और रामेन डेका और विष्णुदेव साय के बीच मधुर संबंध होने के कारण राज्यपाल के अभिभाषण में राज्य सरकार उपलब्धियों का वर्णन होगा। राज्यपाल का अभिभाषण तैयार करने के लिए अलग अलग विभागों से राज्यपाल द्वारा मंगा लिया गया है जिसमें गृह आदिम जाति पंचायत उद्योग शिक्षा लोक निर्माण सिंचाई सहित अन्य महत्वपूर्ण विभागों में हुए कार्यों का एक दस्तावेज करा दिया गया है समय समय पर राज्यपाल तीस बिंदुओं पर अपना अभिभाषण पढ़ते रहे है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा सिर्फ सीमित बिंदुओं का यह अभिभाषण तय कर लियागया था लेकिन वर्तमान राज्यपाल पुरारी परंपरा को कायम रखना चाहते है। राज्यपाल के अभिभाषण में नक्सलवाद का खात्मा और पंचायत विभाग में पीएम आवास सड़क योजना सड़कों का निर्माण सहित अन्य कार्यों का उल्लेख होगा।

शराब पीने के लिए पैसे नही देने पर मारपीट

रायपुर। जिले की बलौदा थाना पुलिस ने शराब पीन के लिए पैसे नही मिलने पर एक व्यक्ति से मारपीट करने के मामले में दो अरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के विरुद्ध धारा 119 (1), 296, 351 (2), 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी निकेश कुमार सुमन निवासी बुचीहरदी थाना बलौदा से दिनांक 06/02/2026 को दोपहर में गांव का गोपी पाटले व जग्गू पाटले दोनो के द्वारा प्रार्थी से शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगे, पैसा नही है बोलने पर दोनो पूराने रंजिश की बात पर से अश्लील गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर चोट पहुंचाये थे।

महापरीक्षा अभियान 2025 में 91 प्रतिशत शिक्षार्थी उत्तीर्ण

साक्षरता कार्यक्रम के तहत 4 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने दी परीक्षा

- 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह का दिया संदेश

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य में 07 दिसम्बर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुशंसित उल्लास -नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत महापरीक्षा अभियान का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा का परिणाम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), नई दिल्ली द्वारा घोषित किया गया, जिसमें प्रदेश के प्रतिभागियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इस अभियान में प्रदेश में पहली बार 984 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से भाग लेकर बंदूक छोड़ कलम के माध्यम से विकास की नई राह चुनने का संदेश दिया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश भर से कुल 4 लाख 55 हजार 44 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, इनमें से 4 लाख 13 हजार 403 शिक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। इसी प्रकार प्रदेश का कुल परीक्षा परिणाम 90.85 प्रतिशत रहा, जो साक्षरता अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्गवार परिणाम के अनुसार एक लाख 37 हजार 350 पुरुष शिक्षार्थियों में से एक लाख 23 हजार 743 उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। 3 लाख 17 हजार 617 महिला शिक्षार्थियों में से 2 लाख 89 हजार 597 ने सफलता प्राप्त की है। वहीं 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों में से 63 उत्तीर्ण हुए, जो समावेशी शिक्षा की दिशा में सकारात्मक संकेत है। इस महापरीक्षा अभियान को सफल बनाने में शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही। जिला एवं जनपद स्तर पर कलेक्टर एवं जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा व्यापक स्तर पर अपील, बैठकों और सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूली छात्र-छात्राओं, पंच-सरपंचों एवं ग्राम प्रभारियों द्वारा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया तथा सायंकाल जनप्रतिनिधियों द्वारा मशाल रैलियां निकालकर सकारात्मक शैक्षिक वातावरण का निर्माण किया गया। जिला एवं विकासखंड स्तर पर निरंतर वेबीनार और समीक्षा बैठकों के माध्यम से दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अभियान में प्रदेश के विभिन्न जिला जेलों के लगभग 795 बंदियों ने भी परीक्षा में सम्मिलित होकर अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने की प्रेरणादायक पहल की। 77 ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लेकर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया। दुर्ग जिले के मोहलनाय गांव की 98 वर्षीय दुधी बाई तथा जरवई के 82 वर्षीय बुजुर्ग दंपत्ति सहित अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने परीक्षा में भाग लेकर यह सिद्ध किया कि शिक्षा की कोई आयु सीमा नहीं होती। कई स्थानों पर पति-पत्नी, देवरानी-जेठानी, दादा-पोता एवं तीन पीढ़ियों ने एक साथ परीक्षा देकर पारिवारिक सहभागिता की सुंदर मिसाल प्रस्तुत की। दिव्यांग शिक्षार्थियों की सक्रिय भागीदारी भी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने उल्लास कार्यक्रम से जुड़े सभी शासकीय-अशासकीय सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवकों को इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने आगामी मार्च में आयोजित होने वाले परीक्षा अभियान में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि सभी राज्यवासी मिलकर छत्तीसगढ़ को शत-प्रतिशत साक्षर राज्य बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

संपादकीय

हंगामे के बीच संसद में बदली वैश्विक तस्वीर

बजट सत्र के सातवें दिन संसद में जिस तरह की स्थितियां पैदा हुई, वे निश्चित रूप से लोकतांत्रिक परंपराओं में संवाद के समांतर एक बार फिर मतभेदों के तीखे होने को ही दर्शाता है। मौजूदा सत्र में पिछले कई दिनों से लगातार हंगामे की स्थिति बनी रही और सदन की कार्यवाही बाधित होती रही। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन शोर-शराबे और हंगामे की वजह से सदन को स्थगित कर दिया गया था।विपक्षी दलों की ओर से उठाए गए सवालों और उतार-चढ़ाव के बीच आखिर गुरुवार को प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित किया। जबकि विपक्ष के नेता को न बोलने देने का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दलों ने सदन का बहिष्कार किया। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा।जाहिर है, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जहां समग्र चर्चा होनी चाहिए थी, वहां सदन हंगामे की वजह से बाधित हुआ। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने सरकार के फैसलों और नीतियों को स्पष्ट करते हुए राज्यसभा में अपनी राय रखी।पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में तेजी से नीतिगत स्तर पर भी बदलाव होते देखे जा रहे हैं और नई व्यवस्था की जमीन बनती दिख रही है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इसका उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा दौर में स्थितियां संभाली नहीं जा पा रही हैं, तो ऐसे में स्पष्ट दिख रहा है कि दुनिया एक नई वैश्विक व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।इससे पहले दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब बदल रही है और अगर इसे तटस्थ भाव से देखा जाए, तो साफ लग रहा है कि झुकाव भारत की ओर है। दरअसल, हाल के वर्षों में विकसित देशों के कूटनीतिक टकरावों और उससे उपजे हालात के बीच वैश्विक दक्षिण के रूप में देखे जाने वाले देशों की समस्याओं पर आवाज उठने की प्रक्रिया जिस तरह धीमी पड़ रही थी, उसमें भारत को एक उम्मीद की नजर देखा जा रहा था।इसी को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भर में वैश्विक दक्षिण को लेकर होने वाली चर्चा के सूत्रधार के साथ-साथ भारत को वैश्विक दक्षिण की बुलंद आवाज के रूप में देखा जाता है।भारत के कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते नीतिगत स्तर पर आने वाले समय में काफी अहम साबित होने वाले हैं और उसके परिणामों को लेकर अभी से उत्सुकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कोई विकसित देश किसी विकासशील देश के साथ अपनी पहल से समझौता करता है, तो यह अर्थजगत के लिए एक बड़ा संदेश है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: नरेन्द्र मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

(ललित गर्ग)

यहां देर आए, दुरुस्त आए की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और मेक इन इंडिया को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरंतर धैर्य का परिणाम बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रणबांकुरे- कहानी नायक जदुनाथ सिंह की

(यशवीर सिंह)

जदुनाथ सिंह का जन्म 21 नवंबर 1916 को यूपी के शहाजहांपुर के खजूरी गांव में हुआ था। वह नवंबर 1941 में भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट में भर्ती हुए। मिलिट्री ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उनकी पोस्टिंग राजपूत रेजीमेंट की पहली बटालियन में हुई।

जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के बाद पाकिस्तान बेहद बेचैन था, वह किसी भी तरह जम्मू-कश्मीर के ज्यादा से ज्यादा इलाकों पर कब्जा करना चाहता था। वह पहले ही राज्य के कई इलाकों पर कब्जा कर चुका था। पाकिस्तान के हर हथकंड़े को फेल करने के लिए भारत सरकार ने राज्य में महत्वपूर्ण जगहों पर सेना तैनात की हुई थी। ऐसी ही एक जगह है नौशेरा, जहां की तैन धार चौकी पर फरवरी 1948 में भारतीय सेना की 1राजपूत के 27 जवान तैनात थे। यहां के पोस्ट कमांडर नायक यदुनाथ सिंह थे।

दरअसल नौशेरा के कुछ इलाकों पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था, इन इलाकों पर भारतीय सेना की 50 पैरा ब्रिगेड ने 1 फरवरी 1948 को एक जोरदार हमला बोल कर वापस नियंत्रण हासिल किया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ और उसे पीछे हटना पड़ा।

आगे की कहानी बताने से पहले आपको याद दिलाते हैं 'लक्ष्य फिल्म' का वो डायलॉग, जिसमें ओमपुरी ऋतिक रोशन से कहते हैं - 'अगर पाकिस्तानी हारे तो लौटकर जरूर आता है।' नौशेरा में भी कुछ ऐसे ही हुआज पाकिस्तानी सेना पूरी तैयारी के साथ लौटी। उसने 6 फरवरी 1948 को तैन धार पर हमला किया, जहां उसका सामना तैन धार चौकी पर जदुनाथ सिंह और उनके साथियों से हुआ।

पाकिस्तान के तीन हमलों को किया नाकाम

रात में घने कोहरे का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने भारतीय चौकी पर हमला किया, उसकी तरफ से कई बार चौकी पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। लेकिन भारतीय सैनिकों ने उनका हर प्रयास विफल कर दिया।

हर शहीद भारतीय सैनिक की जानकारी रखने वाली वेबसाइट- ऑनरपॉइंट डॉट इन पर दी गई जानकारी के अनुसार, भारी मुश्किलों के बाद भी जदुनाथ सिंह ने एक छोटी सी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के शुरुआती हमले को नाकाम कर दिया। भीषण गोलीबारी में जदुनाथ सिंह की टुकड़ी के चार जवान घायल हो गए। बिना हिम्मत हारे उन्होंने तुरंत अपनी टुकड़ी को संगठित कर अगले हमले की तैयारी की।

राष्ट्रीय समर स्मारक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, 06 फरवरी 1948 को शत्रु सेनाओं ने उनकी चौकी पर एक के बाद एक हमला करना शुरु कर दिया। वे और उनकी टुकड़ी शत्रु द्वारा लगातार किए गए तीन हमलों से अपनी चौकी को बचाने में कामयाब रहे।

ऑनरपॉइंट डॉट इन पर दी गई जानकारी के अनुसार, भारी मुश्किलों के बाद भी जदुनाथ सिंह ने एक छोटी सी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के शुरुआती हमले को नाकाम कर दिया। भीषण गोलीबारी में जदुनाथ सिंह की टुकड़ी के चार जवान घायल हो गए। बिना हिम्मत हारे उन्होंने तुरंत अपनी टुकड़ी को संगठित किया और अगले हमले की तैयारी की।

तैनधार क्यों महत्वपूर्ण?

नौशेरा सेक्टर में स्थित तैनधार रिज की बहुत रणनीतिक अहमियत बहुत ज्यादा थी। अगर इस पहाड़ी पर दुश्मन का कब्जा हो जाता तो वह श्रीनगर एयरफील्ड के लिए खतरा पैदा कर सकता था। यह एयरफील्ड भारतीय ऑपरेशन्स के लिए एक अहम लाइफलाइन थी। नायक जदुनाथ सिंह का जन्म 21 नवंबर 1916 को यूपी के शहाजहांपुर के खजूरी गांव में हुआ था। उनके पिता बीरबल सिंह राठौर एक किसान थे। जदुनाथ के अलावा बीरबल सिंह के छह बेटे और एक बेटी थी। पढ़ाई के अलावा जदुनाथ खेतों में काम कर अपने पिता की मदद किया करते थे। वह नवंबर 1941 में भारतीय सेना की राजपूत रेजीमेंट में भर्ती हुए। मिलिट्री ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उनकी पोस्टिंग राजपूत रेजीमेंट की पहली बटालियन में हुई।

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं।

(उमेश चतुर्वेदी)

लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है।

सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती।

महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए। यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पास फुर्सत नहीं है कि वह महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य की राजनीति के बारे में स्थानीय जरूरतों के लिहाज से सोचे और स्थानीय समुदायों के लिए उन्हीं के बीच से प्रभावी नेतृत्व उभारे।

रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है और अपने लिए खतरा बनने की शरद की संभावनाओं को एक तरह से नेस्तनाबूद कर दिया है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की आर्थिक राजधानी भी है। इसी वजह से केंद्रीय सत्ता के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महाराष्ट्र की सत्ता मानी जाती है। माना जाता है कि कारपोरेट और औद्योगिक जगत पर सबसे ज्यादा पकड़ महाराष्ट्र के सिंहासन की होती है। मौजूदा राजनीति में आर्थिकी सबसे ज्यादा प्रभावी है। महाराष्ट्र की सत्ता पर पकड़ देश की आर्थिक ताकतों की नब्ज पर पकड़ बनाती है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि बीजेपी अपनी इस पकड़ को कमजोर होते नहीं देखना चाहती। इसलिए उसने सुनेत्रा को साधने में देर नहीं लगाई। इसके लिए एनसीपी के ही नेताओं को अपना औजार बनाया और सफल रही। वैसे भी शरद पवार उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां से उनके लिए गुंजाइश कम है। उनके पास सक्रिय रहने के लिए ज्यादा वक्त नहीं है। बेशक वे अब भी कमजोर हों, लेकिन बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उद्धव ठाकरे नहीं, शरद पवार ही हैं। सुनेत्रा को अपने खेमें में लाकर बीजेपी ने शरद की इस बची-खुची चुनौती भी खत्म करने में कामयाब रही है। सुनेत्रा के साथ से एकनाथ शिंदे के लिए महायुति से बाहर निकलने की सोचना या बीजेपी पर दबाव बढ़ाने का मौका खत्म हो जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति शिंदे के साथ के चलते सुनेत्रा की भी रहेगी। बीजेपी सुनेत्रा के जरिए शिंदे को संतुलित करेगी तो शिंदे के जरिए सुनेत्रा को काबू में रखेगी। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कोंडागांव में नवीन बस स्टैंड एवं बायपास रोड संचालन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

16 फरवरी से संचालन प्रारंभ करने पर बनी सहमति, आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा

कोण्डागांव। बुधवार दोपहर 1 बजे एसडीएम कार्यालय कोंडागांव में एसडीएम अजय उरांव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य नवीन बस स्टैंड के सुव्यवस्थित संचालन एवं बायपास रोड को आगामी 16 फरवरी से प्रारंभ करने के संबंध में आवश्यक तैयारियों, व्यवस्थाओं तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना रहा। बैठक में बस यूनियन एवं ऑटो संघ के पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपने सुझाव एवं समस्याएं रखीं। एसडीएम उरांव ने सभी संबंधित पक्षों से समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि नवीन बस स्टैंड के संचालन से शहर में यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा मुख्य बाजार क्षेत्र में लगने वाले जाम से आमजन को राहत मिलेगी। बैठक के दौरान बसों के आवागमन, पार्किंग व्यवस्था, यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाएं, टिकट काउंटर, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था एवं साफ-सफाई जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बायपास रोड के उपयोग से भारी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश से रोकने तथा ट्रैफिक दबाव कम करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ। वहीं ऑटो संघ के पदाधिकारियों ने ऑटो स्टैंड के लिए निर्धारित स्थान, सवारी चढ़ाने-उतारने की व्यवस्था एवं यातायात पुलिस के सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। एसडीएम उरांव ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि 16 फरवरी से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं, ताकि संचालन प्रारंभ होने के साथ ही किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना है, जिसके लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं संघ प्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। यह निर्णय लिया गया कि निर्धारित तिथि से नवीन बस स्टैंड एवं बायपास रोड का संचालन प्रभावी रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। नगरवासियों को उम्मीद है कि इस पहल से यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और शहर को जाम की समस्या से राहत मिलेगी

बस यूनियन के प्रतिनिधियों ने नवीन बस स्टैंड में पर्याप्त स्थान, समय सारणी के अनुसार बसों के संचालन तथा यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देने की मांग रखी।

बस्तर पुलिस ने डीजे संचालकों की बैठक लेकर दिए सख्त निर्देश

रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन पर प्रतिबंध, ध्वनि सीमा का पालन अनिवार्य

जगदलपुर। परीक्षा सत्र को ध्यान में रखते हुए बस्तर पुलिस द्वारा डीजे संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक बस्तर श्री शलभ सिन्हा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री माहेश्वर नाग एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री अमित देवांगन के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली परिसर में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक का संचालन कार्यवाहक थाना प्रभारी कोतवाली श्री शिवानंद सिंह द्वारा किया गया।बैठक में जगदलपुर क्षेत्र के सभी डीजे संचालकों को आगामी विवाह समारोह, सामाजिक कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों के दौरान शासन द्वारा निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि रात्रि 10:00 बजे के बाद बिना सक्षम अनुमति के डीजे अथवा लाउडस्पीकर का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

इसके साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत निर्धारित डेसीबल सीमा का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। किसी भी प्रकार की अत्यधिक ध्वनि, सार्वजनिक शांति भंग करने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की स्थिति में संबंधित डीजे संचालक के विरुद्ध ध्वनि प्रदूषण अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।पुलिस प्रशासन ने सभी संचालकों से शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है तथा आम नागरिकों से भी सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

पॉलीटेक्निक और आईटीआई में लगा रक्त दान शिविर, 11 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

बीजापुर। शासकीय पॉलीटेक्निक और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बीजापुर में भारतीय यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के बैनर तले रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में यूथ रेडक्रॉस से जुड़े छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और कुल 11 यूनिट रक्तदान किया। यह शिविर जिला रेडक्रॉस शाखा और जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित हुआ। इसका मकसद जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और युवाओं में सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में जिला संगठक नर्वेद सिंह, डॉ. सीके राहंगडाले, शासकीय पॉलीटेक्निक के प्राचार्य, आईटीआई प्राचार्य नायक, रेडक्रॉस शाखा के प्रभारी चितरंजन लाल समेत संस्थान के कर्मचारी मौजूद रहे। अंत में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर उनके इस सराहनीय प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

परीक्षा के दौरान टाइम मैनेजमेंट और पॉजिटिव एटीट्यूड सर्वाधिक महत्वपूर्ण : कलेक्टर

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्यशाला सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्री-बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया गया। पीएम श्री नरहरदेव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान समय-प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण होता है। निर्धारित समय में अधिक से अधिक प्रश्नों का सही उत्तर लिखने के लिए टाइम मैनेजमेंट जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि जिन प्रश्नों के उत्तर वे बेहतर ढंग से दे सकते हैं, उन्हें पहले हल करें और उत्तर लिखते समय विषयांतर से बचें। कलेक्टर ने सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि नियमित अध्ययन, सही योजना और पॉजिटिव एटीट्यूड के साथ परीक्षा देने से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने विषयवार तैयारी, संयमित खानपान तथा बाहर के खाद्य पदार्थों से परहेज करने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि 'हमर लक्ष्य' अभियान के तहत पिछले वर्षों में जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। इस वर्ष भी राज्य की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को जिला प्रशासन द्वारा मुंबई की हवाई यात्रा कराई जाएगी। साथ ही सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, टैबलेट एवं स्कूटी प्रदान की जाएगी तथा शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले विद्यालयों को 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने विषयवार प्रबंधन और प्रश्न चयन की प्राथमिकता पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा को लेकर तनावमुक्त रहने और आत्मविश्वास के साथ उत्तर लिखने की अपील की। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. पल्लवी क्षीरसागर ने शिक्षा मनोविज्ञान के आधार पर विद्यार्थियों को गहन अध्ययन, समय प्रबंधन और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद सहित अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। रायपुर से आए मोटिवेशनल स्पीकर्स ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर ने चावल गोदाम का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को कनेरा रोड स्थित नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम पहुंचकर चावल के भंडारण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के लिए चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी पीडीएस दुकानों तक राशन पहुंचाने के लिए समुचित परिवहन व्यवस्था के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को समय पर राशन सामग्री मिल सके। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ , एसडीएम , तहसीलदार और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ए.पी.जे. स्कूल केशरपाल में वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बस्तर। डॉ. ए.पी.जे. स्कूल, केशरपाल में 11 फरवरी 2026 को वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, जनपद उपाध्यक्ष तरुण पांडे, जनपद सदस्य श्रीमती विनिता ठाकुर, ग्राम सरपंच श्रीमती जमुना कश्यप, ग्राम माता पुजारी भगचंद सहित पंचगण एवं अन्य गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे।

पाँचों शाखाओं के विद्यार्थियों ने किया संयुक्त प्रदर्शन-इस वार्षिक उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि डॉ. ए.पी.जे. स्कूल की सभी पाँच शाखाओं–बकावंड, करपावांड, जैबेल, नानगुर एवं केशरपाल–के विद्यार्थियों ने एक साथ मंच साझा कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने नृत्य, गीत, नाटक एवं अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया, जिन्होंने तालियों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय प्रबंधन का प्रेरणादायी संदेश-कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती रीदा मीर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

अभिभावकों की रही बड़ी उपस्थिति-समारोह में बड़ी संख्या में पालकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह, अनुशासन और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

जनवरी में भी पूरा अनाज नहीं मिलने का आरोप, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा तक पहुंची शिकायत

पुसगुड़ा में तीन महीने से राशन नहीं, ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

बीजापुर। उसूर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पुसगुड़ी में राशन वितरण को लेकर बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 का राशन अब तक नहीं मिला। इन महीनों में न तो राशन बांटा गया और न ही किसी तरह की एंट्री की गई, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है।ग्रामीणों के मुताबिक लगातार तीन महीने राशन नहीं मिलने से गरीब और मजदूर परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई घरों में खाने की चिंता तक खड़ी हो गई है। स्थिति तब और बिगड़ गई जब जनवरी 2026 में भी पूरा राशन नहीं मिला। आरोप है कि आधा राशन दिया गया और उसमें भी कटौती की गई। मामले को लेकर ग्रामीणों ने भाजपा नेता और पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के नाम लिखित शिकायत दी। उनका कहना है कि खाद विभाग के अधिकारियों को पहले ही जानकारी दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

राशन संकट को देखते हुए भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी के.जी. सुधाकर ने ग्रामीणों का आवेदन लिया और फोन पर पूर्व मंत्री गागड़ा को पूरी जानकारी दी। बताया जा रहा है कि गागड़ा ने संबंधित अधिकारियों से बात कर जल्द समस्या दूर करने का आश्वासन दिया है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर लंबित राशन का जल्द वितरण कराया जाए और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो, ताकि आगे ऐसी परेशानी न हो। गौरतलब है कि जिले में पिछले कुछ समय से गरीबों को मिलने वाले पौष्टिक चने की कमी की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। जिसके चलते भी लोगो मे ख़ासी नाराजगी देखी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री के लिए रातों-रात सड़क, लेकिन जनता के लिए गड्ढे क्यों?

नारायणपुर। विश्व प्रसिद्ध माता मावली मेला में इन दिनों हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। माता के दरबार में आस्था की भीड़ उमड़ रही है, लेकिन शहर की सड़कों की हालत श्रद्धालुओं का स्वागत नहीं, बल्कि लापरवाही की तस्वीर पेश कर रही है। मुख्य मार्गों पर बड़े-बड़े गड्ढे मुंह खोलकर खड़े हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन को केवल वीआईपी दौरों की चिंता है? कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री जी के नारायणपुर दौरे के दौरान उनके मार्ग की सड़कें रातों-रात दुरुस्त कर दी गई। लेकिन आज जब आम जनता और मेले में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधा की बारी आई, तो वही प्रशासन खामोश नजर आ रहा है।क्या आम नागरिकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण नहीं है? यदि इन गड्ढों के कारण कोई बड़ा हादसा होता, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेता?प्रशासन की निष्क्रियता के बीच आज युवा कांग्रेस और हस्ट्ढ की टीम ने आगे आकर श्रमदान के माध्यम से सड़कों के गड्ढों को पाटने का कार्य किया। युवाओं ने कहा कि जब जिम्मेदार विभाग अपनी भूमिका नहीं निभा रहे हैं, तब समाज के युवाओं को स्वयं आगे आकर जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है।नगर के पार्षद विजय सलाम ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहाः मुख्यमंत्री जी के लिए सड़क रातों-रात बन सकती है।

कुचनूर कोरंडम खदान की पर्यावरण मंजूरी पर विधायक ने जताई आपत्ति

ग्राम सभा और जनसुनवाई के बिना स्वीकृति देना आदिवासियों के अधिकारों के खिलाफ-विक्रम मंडावी

बीजापुर। जिले के ग्राम कुचनूर में प्रस्तावित कोरंडम खदान को मिली पर्यावरण मंजूरी को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ने कड़ी नाराजगी जताई है।भोपालपटनम में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि बिना ग्राम सभा की सहमति और जनसुनवाई के खदान को मंजूरी देना गंभीर मामला है। मंडावी ने बताया कि तहसील भोपालपटनम के कुचनूर गांव में खसरा नंबर 826, रकबा 3.70 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थित खदान के लिए छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) को राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण ने स्वीकृति दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में स्थानीय पंचायतों और ग्रामीणों को भरोसे में नहीं लिया गया। विधायक ने कहा कि पेसा कानून, पंचायत राज अधिनियम और वन अधिकार कानून के अनुसार आदिवासी क्षेत्रों में किसी भी खनन परियोजना से पहले ग्राम सभा की अनुमति जरूरी होती है। लेकिन यहां न ग्राम सभा से चर्चा हुई और न ही जनसुनवाई कराई गई। यह सीधे तौर पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी है।उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ग्राम सभाओं को दरकिनार कर बड़े हितों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। बीजापुर जैसे आदिवासी बहुल इलाके में लोग जल, जंगल और जमीन पर निर्भर हैं, ऐसे में उनकी राय के बिना लिया गया फैसला उचित नहीं कहा जा सकता।मंडावी ने मांग की कि खदान की पर्यावरण स्वीकृति तत्काल रद्द की जाए, ग्राम सभा की बैठक बुलाकर सहमति ली जाए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से दोबारा शुरू हो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।प्रेस वार्ता में पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कामेश्वर गौतम, वल्वा मदनैया, रमेश पामभोई, अरुण वासम, मिच्चा सम्मैया, विजार खान, चलपत उद्दे, नरेन्द्र मट्टी सहित कई कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

लंबे समय से अनुपस्थित औषधालय सेवक निलंबित

बिलासपुर। शासकीय आयुर्वेद औषधालय घुटकू में पदस्थ औषधालय सेवक ऋषिकेश भारद्वाज को लंबे समय से बिना अनुमति अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित कर दिया गया है। वे दिनांक 28 अक्टूबर 2025 से अपने कर्तव्यों से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित थे। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिला आयुष अधिकारी, बिलासपुर द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तथा कलेक्टर बिलासपुर के अनुमोदन पश्चात भारद्वाज को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई है।निलंबन अवधि के दौरान श्री भारद्वाज का मुख्यालय शासकीय आयुर्वेद औषधालय पुडू, जिला बिलासपुर निर्धारित किया गया है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे बिना पूर्व अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में अनुशासनहीनता और अनधिकृत अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा।

मवेशियों की आवाजाही रोकने हेतु बिलासपुर मंडल का विशेष अभियान

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा सुरक्षित एवं समयबद्ध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिलासपुर मंडल के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों एवं रेलवे लाइनों के आसपास मवेशियों की आवाजाही रोकने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे नियमों के अनुसार रेलवे स्टेशन परिसर, रेलवे ट्रैक एवं उसके आसपास मवेशियों को लाना अथवा खुला छोड़ने से मवेशी रेलवे ट्रैक पर आ जाने के कारण रेलगाडी से टकराने के कारण होने वाली दुर्घटना से यात्रियों की सुरक्षा में संकट उत्पन्न होता है जो अपराध की श्रेणी में आता है। इससे ट्रेनों के सुरक्षित संचालन, समयपालन तथा यात्रियों की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंडल द्वारा प्रभावित स्थानों पर पशुपालकों, चरवाहों तथा मवेशियों के मालिकों को समझाईश दी गई है इसके बाद भी उनके द्वारा लापरवाही बरतने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। रेलवे प्रशासन सभी मवेशी मालिकों से अपील करता है कि वे अपने मवेशियों को रेलवे स्टेशन एवं रेलवे लाइनों के आसपास न आने दें। अन्यथा रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर-तिरुपति-बिलासपुर एवं हैदराबाद-रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस के ठहराव की सुविधा का विस्तार

बिलासपुर। रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली गाड़ी संख्या 17482/17481 तिरुपति-बिलासपुर-तिरुपति एक्सप्रेस का दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल के कोव्वूरु स्टेशन में तथा गाड़ी संख्या 17006/17005 रक्सौल-हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस का दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल के पेद्दपल्ली स्टेशन में प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी यात्रियों को दी गई इस सुविधा को निरंतर जारी रखने हेतु इन दोनों गाड़ियों के उपरोक्त स्टेशनों में ठहराव की सुविधा का विस्तार किया गया है । अब गाड़ी संख्या 17482/17481 तिरुपति-बिलासपुर-तिरुपति एक्सप्रेस का कोव्वूरु स्टेशन में एवं गाड़ी संख्या 17006/17005 रक्सौल-हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस का पेद्दपल्ली स्टेशन में ठहराव की सुविधा आगामी आदेश तक जारी रहेगी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 70वाँ विशिष्ट रेल सेवा एवं रेल सेवा पुरस्कार-2025 (महाप्रबंधक स्तर) समारोह का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 70वाँ विशिष्ट रेल सेवा एवं रेल सेवा पुरस्कार (महाप्रबंधक स्तर) समारोह का आयोजन कल दिनांक 13 फरवरी 2026 को सायं 17.00 बजे से सेक्रसा क्रिकेट ग्राउंड, बिलासपुर में पूरी गरिमा एवं उत्साह के साथ किया जाएगा। इस समारोह में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भारत में रेल परिवहन का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच पहली रेल सेवा के साथ हुआ था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में प्रतिवर्ष रेल मंत्रालय एवं सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों, वर्कशॉपों एवं मंडलों में रेल सप्ताह मनाया जाता है। रेल सप्ताह के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विगत वर्ष किए गए उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें सम्मानित किया जाता है। इस क्रम में आयोजित 70वें विशिष्ट रेल सेवा एवं रेल सेवा पुरस्कार-2025 (महाप्रबंधक स्तर) समारोह में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार के अंतर्गत 51 कर्मचारियों एवं 09 अधिकारियों, जबकि रेल सेवा पुरस्कार के अंतर्गत 01 अधिकारी एवं 12 रेल कर्मचारियों को महाप्रबंधक द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न विभागों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 20 मेजर शील्ड एवं 38 माइनर शील्ड भी प्रदान की जाएंगी।

कोनी में शुरू हुआ दो दिवसीय संभाग स्तरीय रोजगार मेला

पहले दिन 200 से अधिक युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

- संभाग आयुक्त श्री सुनील जैन और कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने युवाओं से किया संवाद
- आईटीआई प्रबंधन को पुराने ट्रेड बंद कर नई तकनीक पर आधारित प्रशिक्षण कोर्स शुरू करने के दिए निर्देश
- रोजगार मूलक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने निजी कंपनियों के साथ किया जाएगा समझौता

बिलासपुर। राज्य के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मॉडल आईटीआई कोनी में 12 एवं 13 फरवरी को दो दिवसीय संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। रोजगार मेले में 26 निजी कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। संभाग आयुक्त श्री सुनील जैन, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने मेले में युवाओं से संवाद किया और नियोक्ता कंपनियों से चर्चा की। इस अवसर पर प्रतीक स्वरूप कुछ चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। मॉडल आईटीआई कोनी में आयोजित संभाग स्तरीय मेले में अधिकारियों ने नियोक्ता कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप आईटीआई के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किए जाने का सुझाव दिया साथ ही आईटीआई के संयुक्त संचालक ए के सोनी को कंपनियों के साथ एमओयू करने के निर्देश भी दिए ताकि प्रशिक्षण और रोजगार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।संभाग

आयुक्त ने आई टीआई प्रबंधन को निर्देश दिए कि पुराने ट्रेड को बन्द कर नए प्रचलित रोजगारमूलक ट्रेड शुरू किए जाएं ताकि युवाओं को रोजगार आसानी से उपलब्ध हो सके। संभाग के सभी जिलों से लगभग 1300 से अधिक युवाओं ने आज के लिए ऑनलाइन पंजीयन किया, 800 से अधिक युवा रोजगार मेले में शामिल हुए। 329 युवाओं का चयन विभिन्न पदों के लिए प्राथमिक स्तर पर हुआ है वहीं 207 युवाओं का अंतिम चयन विभिन्न कंपनियों द्वारा किया गया है। मेले में आज 23 नियोक्ता कंपनियां मौजूद रहीं। संभाग आयुक्त श्री सुनील जैन एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने चयनित युवाओं राजकुमार पटेल और अभिषेक बंजारे को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। दोनों का चयन कोरबा की एक कंपनी में टेक्निशियन पद पर हुआ है, जहां उन्हें 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलेगा। चयनित युवाओं ने खुशी जाहिर करते हुए रोजगार मेले के वृहद आयोजन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार प्रकट किया। रोजगार मेले में वित्त, कृषि, प्रबंधन, मेडिकल एवं फार्मेसी, सोलर एनर्जी, टेक्सटाइल उद्योग, सर्विस टेक्निकल, मैन्युफैक्चरिंग, सिक्योरिटी सर्विस, इंश्योरेंस, ऑटोमोबाइल तथा ज्वेलरी सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगभग चार हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया 13 फरवरी को भी होगी। संभाग स्तरीय रोजगार मेले में श्री अमरचंद पहारे, डिप्टी डायरेक्टर, प्रवर्तन कक्ष, रोजगार, पीएस तिग्गा डिप्टी डायरेक्टर जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई कोनी व लाइवलीहुड कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बिलासपुर सहित राज्य की 4 केंद्रीय जेलों को मिला आईएसओ प्रमाणन

गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी जेल प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जेल विभाग के प्रभारी श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ की केंद्रीय जेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसी क्रम में केन्द्रीय जेल बिलासपुर सहित रायपुर, दुर्ग एवं अम्बिकापुर को आईएसओ 9001 रू 2015 प्रमाणन प्रदान किया गया है। प्रमाण पत्र जारीकर्ता संस्था द्वारा दिनांक 11 फरवरी 2026 को केन्द्रीय जेल रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं अम्बिकापुर के जेल अधीक्षकों को औपचारिक रूप से प्रदान किए गए। यह प्रमाणन जेल प्रशासन में गुणवत्ता आधारित कार्यप्रणाली, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं, पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे बंदी कल्याण, मानवाधिकार संरक्षण, जोखिम प्रबंधन, जन-विश्वास एवं संस्थागत विश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही सुधारात्मक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने में यह पहल मील का पत्थर सिद्ध होगी। आईएसओ प्रमाणन की इस प्रक्रिया में केन्द्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री, केन्द्रीय जेल बिलासपुर के जेल अधीक्षक खोमेश मण्डावी, केन्द्रीय जेल दुर्ग के जेल अधीक्षक मनीष सम्भाकर तथा अक्षय सिंह राजपूत सहित चारों केंद्रीय जेलों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बिलासपुर के जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा जेल प्रशासन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो छत्तीसगढ़ को सुधारात्मक प्रशासन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

शहर में बनी नई सड़क पांच दिन में ही में उधड़ी,पेयजल व्यवस्था भी बिगडी...

बिलासपुर। राजस्व कॉलोनी से रामायण चौक जाने वाली सड़क की मरम्मत का काम शुरू होते ही लोगों को राहत की उम्मीद जगी थी, लेकिन यह राहत महज एक सप्ताह में ही ध्वस्त हो गई। लंबे समय से खराब हालत झेल रहे इस मार्ग पर डामरीकरण तो किया गया, परंतु सड़क के नीचे पहले से मैजूद पेयजल पाइपलाइन लीकेज को नजरअंदाज कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि नई बनी सड़क कुछ ही दिनों में धंस गई और बीच सड़क पर बड़ा गड्?ढा बन गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार सड़क के नीचे से काफी समय से पानी रिस रहा था। मोहल्लेवासी लगातार नगर निगम अधिकारियों को इसकी सूचना देते रहे, लेकिन लीकेज की मरम्मत किए बिना ही सड़क पर डामर बिछा दिया गया। पानी के कारण पहले से कमजोर हो चुकी मिट्टी नई सड़क का भार सहन नहीं कर सकी और जैसे ही यातायात बढ़ा, सड़क धंसने लगी। जब सड़क पर बना गड्?ढा और उससे निकलता पानी लोगों की नजर में आया तो साफहो गया कि समस्या सड़क निर्माण की गुणवत्ता से ज्यादा विभागीय लापरवाही का परिणाम है। स्थिति सामने आते ही ठेकेदार और नगर निगम के इंजीनियरों में हड़कंप मच गया।आनन-फानन में सड़क पर बेरींग कटिंग कर उसे फिर से खोदा गया, जिससे नई बनी सड़क दोबारा उधड़ गई और आम जनता की परेशानी और बढ़ गई। रामायण चौक शहर का व्यस्त मार्ग है, जहां दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। सड़क के बीच बने गड्?ढे के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि स्मार्ट सिटी के नाम पर किए जा रहे विकास कार्यों में यदि इस तरह की लापरवाही जारी रही तो जनता का भरोसा टूटना तय है। इस संबंध में महापौर से जानकारी लेने फोन लगाया गया पर उनहोने कॉल रिसीव नहीं किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे स्कूल नं 01 की छात्रा ने गणतंत्र दिवस परेड 2026 में किया गया गौरवपूर्ण प्रदर्शन.....

- कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में सहभागिता कर बढ़ाया रेलवे का मान मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने दी शुभकामनाएँ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल क्रमांक-1, बिलासपुर की कक्षा नवमी की छात्रा एवं एनसीसी सार्जेंट अर्पिता दत्ता ने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2026 में सफलतापूर्वक सहभागिता कर अपने विद्यालय के साथ-साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का नाम गौरवान्वित किया है। गणतंत्र दिवस परेड देश का सर्वाधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन है, जिसमें भारतीय सैन्य शक्ति, अनुशासन तथा देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का भव्य प्रदर्शन किया जाता है। इस प्रतिष्ठित परेड में चयन एवं सहभागिता किसी भी एनसीसी कैडेट के लिए अत्यंत गौरव का विषय होता है।

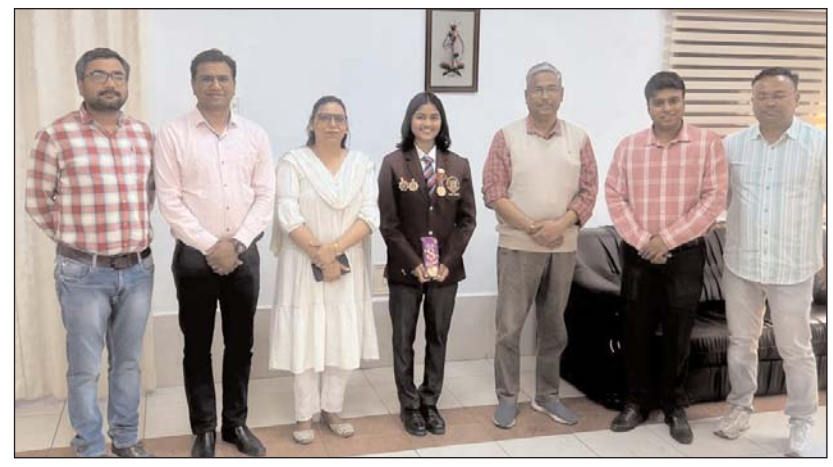

सार्जेंट अर्पिता दत्ता ने अपनी लगन, कड़ी मेहनत, अनुशासन तथा एनसीसी अधिकारियों के मार्गदर्शन में कम आयु में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने अर्पिता दत्ता को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि अर्पिता की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है तथा यह उपलब्धि अनुशासन और समर्पण के महत्व को दर्शाती है। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा, अर्पिता दत्ता के माता-पिता एवं विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

आवास योजना को गति प्रदान करने जिला प्रशासन की नई पहल

- कलेक्टर के मार्गदर्शन में प्रेरक पहल से निर्माण कार्य में आई तेजी
- निर्माण कार्य शुरू करने वाले हितग्राहियों का श्रीफल से सम्मान, अन्य लोग भी ले रहे प्रेरणा

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्माण कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत तखतपुर की ग्राम पंचायत भरारी में प्रेरणादायक पहल की जा रही है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल के निर्देश पर यह पहल की जा रही है। सीईओ तखतपुर श्री सत्यव्रत तिवारी और उनकी टीम द्वारा लंबे समय से अप्रारंभ आवासों को शुरू कराने के लिए हितग्राहियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं जनप्रतिनिधि गांव में घर-घर पहुंचकर हितग्राहियों को नारियल (श्रीफल) और लड्डू भेंट कर सम्मानित कर रहे हैं। जो हितग्राही बार-बार समझाइश के बाद अपने तय समय में आवास निर्माण कार्य प्रारंभ कर रहे हैं, उन्हें सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जा रहा है। इस पहल से गांव में सकारात्मक माहौल बना है और अन्य हितग्राही भी निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए आगे आ रहे हैं। वर्ष 2025-26 में स्वीकृत हितग्राही विजय कुमार उजागर द्वारा प्लिंथ स्तर तक का कार्य शुरू नहीं किया गया था। लगातार प्रेरणा और मार्गदर्शन के बाद उन्होंने निर्माण कार्य प्रारंभ किया। उनकी इस पहल की सराहना करते हुए ग्राम पंचायत सचिव, सरपंच एवं आवास मित्र द्वारा श्रीफल एवं मिठाई देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार दीना राम यादव, सावित्री बाई, कमलेश निर्मलकर एवं सरस्वती ने भी 3 से 4 माह से बंद पड़े अपने आवास निर्माण कार्य को दोबारा शुरू किया। उन्हें भी मिठाई और श्रीफल भेंट कर प्रोत्साहित किया गया। इस अभिनव पहल से ग्राम पंचायत भरारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण कार्य में तेजी आई है और अन्य हितग्राही भी प्रेरित होकर अपने आवास निर्माण कार्य शुरू कर रहे हैं।

घरेलू महिला से लखपति दीदी तक निर्मला कोशले की प्रेरक उड़ान

बिलासपुर। जिले के बिल्हा विकासखंड के भैंसबोड़ क्लस्टर के ग्राम भोजपुरी की निर्मला कोशले की कहानी हजारों महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है। एक साधारण गृहिणी से 'लखपति दीदी' बनने तक का उनका सफर न केवल आर्थिक प्रगति की मिसाल है, बल्कि ग्रामीण भारत में नारी सशक्तिकरण की जीवंत तस्वीर भी प्रस्तुत करता है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत गठित 'मिनी माता' स्व-सहायता समूह से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल कर निर्मला ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि सही अवसर, मार्गदर्शन और सरकारी सहयोग मिल जाए, तो कोई भी महिला अपनी तकदीर स्वयं लिख सकती है। समूह से जुड़ने से पहले निर्मला का जीवन सामान्य ग्रामीण महिलाओं की तरह घर-गृहस्थी और खेत तक सीमित था। 13 मार्च 2018 को जब 'मिनी माता' स्व-सहायता समूह का गठन हुआ और उन्हें समूह की जिम्मेदारी मिली, तभी से उनके जीवन ने नई दिशा पकड़ी। जिम्मेदारी ने उन्हें डराया नहीं, बल्कि उनके भीतर छिपी नेतृत्व क्षमता को जगाया। समूह के माध्यम से उन्हें 1 हजार रुपये की आरएफ (रिवॉल्विंग फंड) राशि, 20 हजार रुपये की सीआईएफसहायता तथा 10 हजार रुपये का बैंक ऋण प्राप्त हुआ। बाद में समूह को भी 15 हजार रुपये आरएफ, 60 हजार रुपये सीआईएफतथा 3 लाख रुपये का बैंक ऋण मिला। छोटी प्रतीत होने वाली ये राशियाँ उनके जीवन में बड़े परिवर्तन की आधारशिला बनीं। कृषि कार्य को जारी रखते हुए निर्मला ने एक साथ कई आजीविका गतिविधियाँ प्रारंभ कीं। उन्होंने हल्दी, मिर्च और मसालों का लघु प्रसंस्करण इकाई स्थापित की, श्रृंगार सामग्री की दुकान खोली तथा पशुपालन को भी आय का स्रोत बनाया। पहले उनकी वार्षिक आय केवल कृषि पर आधारित लगभग 55 हजार रुपये थी। लेकिन नई गतिविधियों से आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई-श्रृंगार दुकान से लगभग 65 हजार रुपये वार्षिक आय, मसाला प्रसंस्करण से लगभग 36 हजार रुपये, पशुपालन से लगभग 36 हजार रुपये अतिरिक्त आय। इस प्रकार

उनकी कुल वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1 लाख 92 हजार रुपये तक पहुँच गई। अब उनका परिवार न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर पा रहा है, बल्कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बचत और बेहतर भविष्य की योजनाएँ भी बना रहा है। निर्मला की प्रगति केवल आय वृद्धि तक सीमित नहीं रही। पहले वे केवल घर तक सीमित थीं, आज वे समूह की सचिव, सफल उद्यमी और 'लखपति दीदी' के रूप में पहचानी जाती हैं। वे घर के महत्वपूर्ण निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, बैंक से सीधे संवाद करती हैं और बाजार में आत्मविश्वास के साथ अपने उत्पाद बेचती हैं। समूह बैठकों और प्रशिक्षण ने उन्हें बचत की आदत, वित्तीय प्रबंधन, निवेश की समझ और व्यवसाय संचालन का ज्ञान दिया। एनआरएलएम टीम के मार्गदर्शन ने उन्हें यह आत्मविश्वास प्रदान किया कि किस गतिविधि में कितना निवेश करना है और बाजार की मांग के अनुसार व्यवसाय को कैसे आगे बढ़ाना है। आज निर्मला केवल स्वयं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

प्रेरणा का स्त्रोत बनी निर्मला

निर्मला कोशले अब केवल एक नाम नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि यदि महिलाओं को अवसर, प्रशिक्षण और सहयोग मिले, तो वे आर्थिक और सामाजिक दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर सकती हैं। उनकी यह उपलब्धि साबित करती है कि आत्मविश्वास, परिश्रम और सामूहिक प्रयास से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।

सूर्यास्त के बाद नियमित रुप से दीप जलाना शुभ

हमारे सनातन धर्म में शाम के समय तुलसी के पास दीप जलाना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है। इसके अलावा कई लोग रोज शाम को घर की चौखट पर भी दीया जलाते हैं। दरअसल सूर्यास्त के बाद नियमित रुप से दीया जलाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा रोज करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। बात करें घर की चौखट पर दीया जलाने की तो इससे आर्थिक परेशानियों से राहत मिलती है। साथ ही इससे घर का माहौल पवित्र और शांत होता है। हालांकि, दीया जलाने की सही विधि जानना भी जरुरी होता है। दीये की सही दिशा, स्थान और साफ-सफाई जैसे कई नियम हैं, जिनके बारे में हमें पता होना चाहिए।

दीप जलाते वक्त रखें इन नियमों का ध्यान

1. आप जिस जगह भी दीया जलाने वाले है, वहां की साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। इतना जान लें कि गंदी जगह पर दीया जलाना शुभ नहीं है। शाम में जब भी आप दीया जलाने जाए तो सबसे पहले उस जगह को साफ कर लें जहां पर आपको दीया रखना है। अगर गंदी जगह पर ही दीया जला दिया जाता है तो माना जाता है कि इससे घर में नेगेटिविटी आराम से आ सकती है।

2. सूर्यास्त के बाद दीया जलाना सही माना जाता है। बता दें कि सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल होता है और इसी समय दीया जलाने से घर में पॉजिटिविटी आती है लेकिन देर रात ऐसा नहीं करना चाहिए। कुछ विशेष दिनों को छोड़ रात में दीया जलाना सही नहीं माना जाता है।

3. दीया में तेल डालना है या फिर घी? इसे लेकर कई लोगों में कन्फ्यूजन बना रहता है। बता दें कि घर के मंदिर में घी का दीया जलाना शुभ होता है। वहीं घर के बाहर या फिर तुलसी मां के पास दीया जलाने के लिए सरसों के तेल या फिर तिल के तेल का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

4. सबसे जरूरी चीज जिसे लेकर अधिकतर लोग गलती करते हैं और वो है दीए की सही दिशा। बहुत से लोगों को नहीं पता होता है कि दीए को किस दिशा में जलाना सही होता है। बता दें कि वास्तु के हिसाब से दीए को हमेशा ईशान कोण की ओर ही जलाना शुभ होता है। हर एक पूजा के लिए दिशाएं अलग-अलग हो सकती हैं।

5. जब भी आप दीया जलाने जाए तो ये सुनिश्चित करें कि आपके हाथ साफ हो। कभी भी गंदे हाथ से दीए को ना जलाएं। ऐसा करने से घर में नेगेटिविटी ही आएगी। ऐसे में साफ-सुथरे हाथ के साथ ही दीया जलाएं। इसके अलावा कभी भी दीए को फूंक मारकर ना बुझाएं। साथ ही दीया जलाने के तुरंत बाद ही दरवाजा नहीं बंद कर लेना चाहिए।

घर बनवाने से पहले जान लें ये वास्तु नियम

ना करें ये गलतियां

नए घर का निर्माण करवाते समय लोग शुभ मुहूर्त का ध्यान रखते हैं। वहीं, वास्तु शास्त्र में घर बनवाने को लेकर कई बातें बताई गई हैं। कहते हैं यदि घर बनवाते समय वास्तु के नियमों का पालन किया जाए, तो जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। लेकिन जब घर वास्तु के अनुरुप नहीं बना हो, तो इसका नकारात्मक प्रभाव जीवन में पड़ता है। इससे घर की सुख और शांति छिन जाती है। ऐसे में घर बनवाते समय वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना बेहद जरुरी है। ऐसा करने से जीवन में खुशहाली आती है और धन-धान्य में कोई कमी नहीं रहती है।

नींव से जुड़े वास्तु नियम

घर बनवाते समय सबसे पहले नींव रखी जाती है। घर की नींव हमेशा उचित दिशा में होना आवश्यक होता है। वास्तु के मुताबिक नींव की खुदाई और भूमि पूजन हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा से ही कराना चाहिए। इसे सुख-समृद्धि की दिशा कहते हैं। इसे भगवान शिव का निवास स्थान और देवताओं की दिशा भी माना गया है। यह ज्ञान, विद्या और सकारात्मक ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है। इसके अलावा पश्चिम की दिशा को सबसे अंतिम में खोदना चाहिए। वहीं, दक्षिण की दिशा में नींव भरने का काम करना चाहिए। मकान में सबसे पहले दक्षिण की दीवार और उसके बाद पश्चिम की दिशा की दीवार बनवानी चाहिए। सबसे अंत में उत्तर व पूर्व दिशा में दीवार बनवाएं।

वास्तु के अनुसार, मकान की नींव में पहली ईंट हमेशा स्थिर लग्न, शुभ मुहूर्त और शुभ दिन पर ही कराना चाहिए। इससे बाधाएं नहीं आती है। साथ ही घर में सुख और समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा धन के योग भी बनते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि जिस लग्न अथवा राशि में आप नींव रखें वह आठवीं नहीं होनी चाहिए।

नहीं लगवाएं पुरानी चीजें

मकान बनवाते समय कुछ चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। जैसे कुछ लोग मकान में पुरानी लकड़ी, लोहा आदि लगवाते हैं। लेकिन यह वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं है। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति गड़बड़ा सकती है। इसका असर सेहत पर भी पड़ता है। साथ ही वास्तु देवता भी नाराज हो जाते हैं।

बीच में ना रोकें कार्य

घर निर्णाण कार्य यदि आपने शुरू करवा दिया है, तो बीच-बीच में इसे नहीं रोकना चाहिए। इसे कंप्लीट करवाकर ही बैठें। मान्यता है कि इससे राहु का वास हो जाता है। इससे घर के सदस्यों में मनमुटाव रहता है। साथ ही छोटी-छोटी बातों पर झगड़े होने लगते हैं।

खिड़की और नल की दिशा

मकान बनवाते समय खिड़कियों का पूरा ध्यान रखें। घर में खिड़कियों की जगह हमेशा उत्तर व पूर्व में होनी चाहिए। घर में बड़ी से बड़ी खिड़की बनाने का प्रयास करें। साथ ही नल की दिशा का भी ध्यान रखें। पानी का नल लगाने के लिए उत्तर या पूर्व की दिशा सबसे अच्छी मानी गई है। भूलकर भी किसी नल को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

बिना मेकअप के सुंदर दिखने के ब्यूटी हैक्स

असली खूबसूरती वो नहीं होती, जो मेकअप की परतों के पीछे छिपी हुई रहती है, बल्कि वो है जो सुबह बिना चेहरा धोए भी फ्रेश और ग्लोइंग लुक देती है। अक्सर लोग चेहरे की चमक बनाए रखने के लिए महंगे कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जो लंबे समय में केमिकल मौजूद होने की वजह से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में क्या आप जानते हैं 6 ब्यूटी हैक्स ऐसे हैं, जो आपकी त्वचा को बिना नुकसान पहुंचाएं दमकता निखार दे सकते हैं। जी हां, बिना मेकअप के 'ग्लो' करना पूरी तरह से आपकी सेहत, अनुशासन और स्किन की बुनियादी देखभाल पर निर्भर करता है। आइए जानते हैं ऐसे ब्यूटी हैक्स, जिनकी मदद से आप भी पा सकते हैं बिना मेकअप लुक।

त्वचा को हाइड्रेट रखें

दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। ऐसा करने से चेहरे के टॉक्सिन्स बाहर निकालने की वजह से त्वचा पर नेचुरल निखार आता है। हफ्ते में 2-3 बार नारियल पानी पीने से त्वचा में नमी बनी रहती है।

'CTM' रूटीन को फॉलो करें

बिना मेकअप के त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए स्किन का साफ और हेल्दी रखना जरूरी है। इसके लिए दिन में दो बार माइल्ड फेसवॉश से चेहरा धोएं। टोनिंग करने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल टोनर की तरह करें, यह रोमछिद्रों को टाइट रखता है। चेहरे को मॉइस्चराइज रखने के लिए अपनी स्किन टाइप के अनुसार मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं।

सनस्क्रीन भी है जरूरी

भले ही आप घर के अंदर हों, SPF 30 या उससे ऊपर का सनस्क्रीन चेहरे को यूवी किरणों से बचाने के लिए जरूर लगाएं। यह पिगमेंटेशन, काले धब्बे और समय से पहले आने वाली झुर्रियों से बचाव करता है।

आंखों और होंठों का ख्याल रखें

डार्क सर्कल्स से बचाव करने के लिए 7-8 घंटे की नींद लें। आंखों के नीचे ठंडे टी-बैग्स या खीरे के स्लाइस रखें। होंठों का गुलाबी निखार बनाए रखने के लिए रात को सोते समय होंठों पर घी या मलाई लगाएं। हफ्ते में एक बार चीनी और शहद से होंठों को स्क्रब करें।

आइब्रो और बालों को संवारें

अच्छी तरह से बनी हुई आइब्रो आपके चेहरे को एक स्ट्रक्चर देती हैं और आप बिना मेकअप के भी प्रेजेंटेबल लगती हैं। बालों को साफ रखें और अपने चेहरे के हिसाब से एक अच्छा हेयरकट लें।

अच्छी डाइट और एक्सरसाइज

अपनी डाइट में फल, हरी सब्जियां और नट्स शामिल करें। रोजाना 20 मिनट की एक्सरसाइज या योग करने से चेहरे पर 'ब्लड सर्कुलेशन' बढ़ता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल गुलाबी निखार आता है।

बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए न्यूट्रिशन की जरूरत

बढ़ते हुए बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ढेर सारे न्यूट्रिशन की जरुरत होती है,लेकिन काफी सारे बच्चों की डाइट में इन न्यूट्रिशन की पूर्ति नहीं हो पाती। जिसकी वजह से उनके फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर असर पड़ता है। काफी सारे बच्चों की हाइट नहीं बढ़ती तो वहीं काफी सारे बच्चों का माइंड शार्प नहीं होता या उनकी मेमोरी शार्प नहीं होती। जिससे पढ़ा-लिखा भूल जाते हैं। अगर आप बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहती हैं तो उसे दूध में मिलाकर इन चीजों को दें। जो ना केवल फिजिकल बल्कि मेंटली भी स्ट्रांग बनाने में मदद करेंगे।

दूध में इन चीजों को मिलाकर पिलाएं

500 मिली उबले दूध को मिक्सर जार में डालें। ध्यान रहे कि ये दूध बहुत ज्यादा गर्म ना हो। दूध को हल्का गर्म ही रखें। उसमे दस भीगे बादाम, दस भीगे अखरोट को डालें। साथ ही आधा छोटा चम्मच शतावरी पाउडर, एक छोटा चम्मच अश्वगंधा पाउडर, एक चम्मच भुने सफेद तिल को मिलाएं। मिठास के लिए थोड़ा सा शहद मिला लें। अब ब्लेंडर में पीस लें।

रोजाना पिलाएं

बच्चों को रोजाना सुबह खाली पेट और रात को सोने से पहले एक कप दूध को पिलाएं। इससे बढ़ते हुए बच्चे जो दस से बारह साल की उम्र में होते हैं। उनमे हार्मोन को रेगुलेट करने के साथ ही हड्डियों के विकास में भी मदद करते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि बच्चे को किसी तरह की बीमारी हो या फिर बच्चे के लिए खास तरह की खानपान से जुड़ी सावधानियां बताई गईं हो तो उन्हें ये दूध नहीं पिलाना चाहिए। या पिलाने से पहले डॉक्टर से कन्सर्ट कर लेना चाहिए। शतावरी की एक-एक ग्राम मात्रा मिलाकर बच्चों को देने से उनकी हाइट को बढ़ाने में मदद मिलती है।

अश्वगंधा और शतावरी के फायदे

बादाम और अखरोट में मौजूद तत्व माइंड की ग्रोथ में जरूरी भूमिका निभाते हैं। आयुर्वेद में अश्वगंधा और शतावरी के कई सारे फायदे बताए गए हैं। बच्चों की हाइट बढ़ानी हो तो उन्हे अश्वगंधा मददगार होती है।

गमले में कैसे उगाएं तेज पत्ता?

खाने का जायका बढ़ाने में तेज पत्ता काफी मदद करता है। 1-2 तेज पत्ता अगर सब्जी में डाल दिया जाए, तो इसकी खुशबू से पूरी सब्जी महक उठती है। तेज पत्ता सेहत के लिए काफी फायदेमंद भी होता है। तेज पत्ता में यूजेनॉल, लिनालूल और सिनोल जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन A, विटामिन C, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम भी भरपूर मात्रा में होता है।

तेजपत्ता का पौधा लंबा होता है, इसलिए गमला थोड़ा बड़ा चुनें। इसमें अच्छी मिट्टी भरें और गोबर-चायपत्ती मिक्स करके डालें। इससे मिट्टी को पोषण मिलेगा और खाद्य बन जाएगी। गमले में पानी निकासी के लिए नीचे की ओर छोटा सा छेद बनाएं। मिट्टी को इसमें अच्छे से भर दें और हाथों से दबाएं। फिर तेजपत्ता के पौधे की कटिंग या फिर बीज लाकर मिट्टी में डालना होगा।

मिट्टी में 4-5 इंच गड्ढा करें और इसमें कटिंग या बीज को डालकर दबाएं। जरा सा पानी डालकर कटिंग-बीज को अच्छे से सेट करें। पौधे की कटिंग से तेजपत्ता जल्दी निकल आएगा और ये आपको किसी भी नर्सरी से मिल जाएगी। पौधे को लगाने के बाद 2 दिन तक पानी बिल्कुल न डालें। जब मिट्टी पूरी तरह से सूखी नजर आए, तभी इसमें पानी डालें। ज्यादा पानी देने से पौधे की मिट्टी और इसकी जड़े सड़ जाएगी। इस गमले को रोजाना 5-6 घंटे की धूप दिखाना भी जरूरी है, वरना पौधा मुरझा जाएगा। 15 दिन में एक बार गोबर, चाय पत्ती या जैविक खाद्य जैसे फल-सब्जियों के छिलके इसमें डाल दें। इससे मिट्टी पोषण से भरपूर रहेगी और पौधा जल्दी निकलेगा। कीड़ों से बचाने के लिए मिट्टी में नीम के तेल का छिड़काव करें। इससे पौधे में कीड़े नहीं लगेंगे। महीने भर में पौधे में छोटी पत्तियां निकलने लगेंगी और ये धीरे-धीरे बढ़ेंगी। फिर आप इन्हें तोड़कर धूप में सुखाएं। बाजार जैसा तेजपत्ता तैयार हो जाएगा। बिना सुखाए भी तेजपत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी खुशबू सब्जी का स्वाद बढ़ा देगी।

बच्चों को दें अच्छे संस्कार

बच्चे को रिएक्ट करने से पहले रुकना सिखाएं

जब आपका बच्चा गुस्से में तुरंत बोल देता है या कुछ कर बैठता है, तो उसे बस चुप कराने की कोशिश ना करें। उसे यह सिखाएं कि गुस्सा आने पर तुरंत रिएक्ट करने के बजाय थोड़ी देर रुकना चाहिए। आप उसे समझा सकते हैं कि रुकने से दिमाग शांत होता है और इससे सही फैसला लेना आसान होता है। यह आदत आपके बच्चे को खुद पर कंट्रोल करना सिखाएगी, जो जीवन में बहुत काम आती है।

दूसरों की बातों को ध्यान से सुनना सिखाएं

जब आप अपने बच्चे की बात ध्यान से सुनते हैं, तो वह खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है। इसी तरह आप उसे भी सिखा सकते हैं कि दूसरों की बात बीच में ना काटें और पूरा सुनें। इससे उसके अंदर सम्मान और समझ पैदा होती है। ऐसे बच्चे आगे चलकर रिश्तों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं।

गलती मानना सिखाएं

आप अपने बच्चे को यह जरूर सिखाएं कि गलती होना आम है। इसलिए जब भी गलती हो जाए तो उसे एक्सेप्ट कर लेना चाहिए। आप खुद भी अपनी गलती मानते हैं, तो बच्चा भी यही सीखता है। उसे समझ आता है कि सच्ची हिम्मत गलती छिपाने में नहीं, बल्कि उसे स्वीकार करने में है। इससे उसमें ईमानदारी और आत्मविश्वास आता है।

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा हो कर एक समझदार, दयालु और इमोशनली स्ट्रांग इंसान बने। लेकिन बच्चे में ये गुण सख्ती, डांट या लंबे उपदेशों से नहीं आते। ये रोज के छोटे व्यवहारों से बनते हैं, जो आप अपने बच्चे को सिखाते और दिखाते हैं। बच्चा आपकी बातें कम और आपका व्यवहार ज्यादा अपनाता है, खासकर तब जब आप थके हों, नाराज हों या हालात आपके मन के अनुसार ना हों। ऐसे पलों में आप जो व्यवहार करते हैं, बच्चा भी वही सीखता है।

पावभाजी पराठा

अगर आप रोज-रोज वही बोरिंग सादा आलू-गोभी या मेथी का पराठा खाकर ऊब चुके हैं, तो अब ट्राई करें झटपट बनने वाला टेस्टी पावभाजी पराठा। यह टेस्टी पराठा आपके जायके को एक जबरदस्त किक देने वाला है। खास बात यह है कि यह पराठा सिर्फ एक डिश नहीं, बल्कि पावभाजी के तीखेपन और पराठे की कुरकुरी परत का एक लाजवाब कॉम्बो है। बच्चों के टिफिन से लेकर संडे ब्रंच तक, यह पराठा उन सभी के लिए परफेक्ट रेसिपी है जो खाने में थोड़ा 'एक्स्ट्रा' तड़का ढूंढ रहे हैं।

बनाने के लिए सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, नमक स्वादानुसार, पराठे का आटा गूंधने के लिए पानी, घी आवश्यकतानुसार

पाव भाजी की स्टफिंग तैयार करने के लिए

3 उबले आलू (मैश किए हुए), कप उबली हुई फूलगोभी, कप उबले हुए मटर, 1 बारीक कटी प्याज, 2 बारीक कटे हुए टमाटर, 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला, छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, छोटा चम्मच हल्दी, नमक स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच मक्खन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 चम्मच नींबू का रस

कैसे बनाया जाता है पाव भाजी पराठा

पाव भाजी तैयार करने के लिए सबसे पहले कड़ाही में मक्खन गरम करके उसमें प्याज डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर खुशबू आने तक पकाएं। अब टमाटर डालकर तब तक पकाएं जब तक वे गलकर नरम न हो जाएं। इसके बाद कड़ाही में हल्दी, लाल मिर्च, नमक और पाव भाजी मसाला डालकर अच्छे से मिलाने के बाद उबली हुई सब्जियां डालकर अच्छे से मैश करते हुए 5 मिनट तक पकाएं। आखिर में नींबू का रस और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

पराठा बनाएं

पाव भाजी पराठा बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे में नमक डालकर नरम आटा गूंथ लें। इसके बाद आटे की लोई लेकर हल्का बेलें और बीच में पाव भाजी की स्टफिंग रख दें। इसके बाद लोई बंद करके हल्के हाथों से पराठा बेल लें। पराठे को गरम तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाते हुए सुनहरा होने तक सेंकें।

ग्राम मर्राकोना में विभिन्न विकास कार्यों का विधायक इंद्र साव ने किया लोकार्पण,भूमिपूजन

बलौदाबाजार । भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मर्राकोना मे सीसी रोड , किचन शेड सहित अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन एवं भूमिपूजन विधायक इंद्र साव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक इंद्र साव ने कहा कि महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को मध्यान भोजन के समय हो रही परेशानी से अब उन्हें किचन शेड के निर्माण होने से बहुत राहत मिलेगी।उन्होंने हमेशा से महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए आगे आकर बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है,अब किचन शेड के निर्माण से ना केवल बारिश से बचत होगी बल्कि उन्हें पर्याप्त मात्र में धूप से निजात मिलेगी। विधायक साव ने आगे कहा कि वे हमेशा से ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के नव निर्माण और उन्नयन से गांव के विकास के लिए कृत संकल्पित है और जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब तक शहर के विकास की परिकल्पना बेमानी है। साव ने कहा कि वे जब से आप लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से विधायक बने है तब से लगातार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सक्रियता से कार्य कर रहे है और आप लोगों को विश्वास दिलाता हु कि आने वाले समय में और अधिक विकास कार्य आप लोगों के गांव में दिखाई देने लगेगा। इसके पूर्व गांव पहुंचने और कार्यक्रम स्थल पर विधायक साव का ग्राम के सरपंच कुबेर यदु, पंचगण एवं ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। विधायक साव ने भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात गांव में चल रहे श्रीमद भागवत कथा पंडाल पहुंच कर भागवत भगवान का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र में खुशहाली और अमन चैन के लिए प्रार्थना की। साव ने व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य डोमेन्द्र शर्मा का शाल-श्रीफ्ल भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम में शामिल विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने अपने संबोधन में ग्राम वासियों को इस विकास कार्य के लिए बधाई दी।जनपद सदस्य जीत त्रिलोक कुर्रे ने भी कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित किया।कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन ग्राम सरपंच कुबेर यदु ने तथा संचालन उपसरपंच इनदरमन साहू ने किया ।

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और विजय बघेल दुर्ग सांसद ने केंद्रीय इस्पात मंत्री से मुलाकात कर भिलाई इस्पात संयंत्र टाउनशिप से जुड़े मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

भिलाई नगर । श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और श्री विजय बघेल दुर्ग सांसद ने केंद्रीय इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी से मुलाकात कर भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) टाउनशिप से जुड़े गंभीर मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में टाउनशिप के कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को प्रभावित करने वाली नीतिगत समस्याओं पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। जिस पर इस्पात मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिये। श्री पाण्डेय ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल औद्योगिक उत्पादन की इकाई नहीं है, बल्कि एक सुव्यवस्थित टाउनशिप भी है, जहाँ लाखों लोग रहते हैं। वर्षों से यहाँ कर्मचारी, सेवानिवृत्त अधिकारी, व्यापारी और विभिन्न संस्थानों से जुड़े लोग अपने परिवारों के साथ निवास करते आए हैं। लेकिन हाल के समय में संयंत्र प्रबंधन द्वारा किराए, लीज प्रीमियम और आवासीय नीतियों में की गई अचानक और अत्यधिक वृद्धि ने नागरिकों पर भारी आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 से लागू रिटेंशन स्कीम योजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पूर्व निर्धारित दरों पर आवास उपलब्ध कराया जाता था। यदि निर्धारित अवधि के बाद आवास खाली नहीं किया जाता, तो 32 गुना किराया वसूला जाता था। लेकिन नवंबर 2025 से इस व्यवस्था को समाप्त कर सीधे ?24 प्रति वर्गफुट की दर लागू कर दी गई। इसके चलते 700 वर्गफुट के क्वार्टर में रहने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब ?15,000 से ?17,000 तक मासिक किराया देना पड़ रहा है। उन्होंने इसे अव्यावहारिक और अन्यायपूर्ण बताते हुए पूर्व व्यवस्था को पुन: लागू करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त टाउनशिप में बैंक, डाक विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग जैसे संस्थानों के कर्मचारियों को भी बीएसपी द्वारा आवास किराए पर दिए जाते रहे हैं। पहले इनका किराया ?5 प्रति वर्गफुट था, लेकिन नवंबर में एकाएक 60 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई। इससे इन संस्थानों के कर्मचारियों पर भारी आर्थिक बोझ आ गया है। उन्होंने कहा कि सामान्य किराया अधिनियमों के अनुसार प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि उचित नहीं मानी जाती, लेकिन बीएसपी प्रबंधन ने सार्वजनिक परिसंपत्ति अधिनियम का सहारा लेकर मनमानी वृद्धि की है। उन्होंने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। श्री पाण्डेय ने बताया कि कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्षों पहले दुकानों का निर्माण कर उन्हें किराए पर दिया गया था। 1991 में इन्हें लीज पर देते समय स्पष्ट किया गया था कि लीज प्रीमियम एक बार तय होगा और केवल लीज रेंट में प्रतिवर्ष वृद्धि होगी। लेकिन अब नवीनीकरण से पूर्व ही लीज प्रीमियम में बेतहाशा वृद्धि कर दी गई है। इससे छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े संस्थानों तक पर भारी बोझ पड़ा है। ज्ञापन में इस व्यवस्था को अनुचित बताते हुए प्रीमियम और किराए का पुनर्निर्धारण करने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि कई क्षेत्रों में मकान तोड़ दिए गए हैं और भूमि खाली पड़ी है। कैंप और खुर्सीपार जैसे क्षेत्रों में भी अनेक भू-खंड रिक्त हैं।

विधायक रिकेश सेन की त्वरित पहल : हीमोफीलिया पीड़ित छात्र के लिए उपलब्ध कराया जीवनरक्षक इंजेक्शन

भिलाई नगर । वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक हीमोफीलिया पीड़ित छात्र की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। आपको बता दें कि भिलाई टाउनशिप निवासी कक्षा दसवीं के छात्र आरूष के लिए विधायक ने तत्काल हीमोफीलिया बी फेक्टर-9 इंजेक्शन की व्यवस्था की और उसे छात्र की माता श्रीमती बी शारदा पखाले को सौंपा।

दसवीं के छात्र का 17 से है एग्जाम-छात्र आरूष हीमोफीलिया बी (फेक्टर-9 की कमी) से पीड़ित है। इस बीमारी में शरीर में क्लॉटिंग फैक्टर्स की कमी के कारण चोट लगने पर खून आसानी से नहीं जमता, जिससे आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव का गंभीर खतरा बना रहता है। समय पर इंजेक्शन न मिलने से असहनीय दर्द और अंगों के खराब होने का डर रहता है। आरूष की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होने वाली हैं। ऐसे नाजुक समय में परिवार इंजेक्शन की अनुपलब्धता के कारण काफी परेशान था। परिजनों ने जब विधायक रिकेश सेन से मदद की गुहार लगाई, तो उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल इंजेक्शन मंगवा कर पाखले परिवार को राहत पहुंचाई।

अस्पताल प्रबंधन को कड़े निर्देश-विधायक श्री सेन ने केवल तात्कालिक सहायता ही नहीं की बल्कि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न आए, इसके लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने सिविल सर्जन और सुपेला शासकीय अस्पताल प्रभारी से सीधी चर्चा की। सुपेला अस्पताल में भविष्य के लिए 'हीमोफीलिया फेक्टर-9' इंजेक्शन की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। विधायक ने परिवार को आश्वस्त किया कि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी ऐसी दिक्कतों का सामना अब दोबारा नहीं करना पड़ेगा। श्री सेन ने कहा कि जनता की सेवा और विशेषकर बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करना मेरी प्राथमिकता है। आरूष अपनी परीक्षा बिना किसी शारीरिक कष्ट के दे सके यही हमारी कोशिश है। इस मानवीय पहल के लिए छात्र के परिजनों ने विधायक का आभार व्यक्त किया है।

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े वाहनों को बनाता था निशाना

भिलाई नगर । शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार, खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े वाहनों को बनाता था निशाना, चोरी किए गए मोबाइल अनलॉक कर खातों से करता था ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, लगभग 06 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन जप्त। थाना भिलाई नगर क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-7 भिलाई में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान खड़ी गाड़ियों से 03 मोबाइल फोन, कार की चाबी एवं अन्य सामान चोरी होने संबंधी रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 663/2025 धारा 303(2) BNS के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़े दोपहिया वाहनों से मोबाइल चोरी की लगातार घटनाएं प्रकाश में आई। थाना भिलाई नगर पुलिस द्वारा सतत निगरानी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही शुभम श्रीवास को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा खेल मैदानों एवं परीक्षा केंद्रों के बाहर खड़ी स्कूटी/वाहनों की डिक्की से मोबाइल, पर्स, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड चोरी करना स्वीकार किया गया।आरोपी द्वारा चोरी किए गए मोबाइल के सामान्य लॉक पैटर्न का उपयोग कर अनलॉक कर संबंधित बैंक खातों से ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से लगभग 06 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन जप्त किए गए। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय प्रस्तुत किया गया है।घटनास्थल :सेक्टर-7 क्रिकेट मैदान एवं विभिन्न परीक्षा केंद्र, भिलाई नगर क्षेत्र आरोपी का विवरण :1. शुभम श्रीवास, उम्र 24 वर्ष, निवासी कातुलबोर्ड हरिनगर दुर्ग, स्थायी पता थाना ओमती जिला जबलपुर (म.प्र.)जप्ती सामग्री : विभिन्न कंपनियों के कुल मोबाइल फोन (लगभग 06 लाख रुपये मूल्य) सराहनीय भूमिका :उक्त कार्यवाही में थाना भिलाई नगर पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने मोबाइल फोन में फेस लॉक एवं फिंगरप्रिंट लॉक का उपयोग करें। मोबाइल गुम या चोरी होने पर तत्काल संबंधित थाना में रिपोर्ट दर्ज कराएं, ष्टश्वङ्कक्रपोर्टल पर सूचना दें तथा बैंक खातों की नियमित जांच करते रहें।

राजस्व शिविर में मिले 263 आवेदन, 194 का मौक़े पर ही निराकरण

बलौदाबाजार । कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार बुधवार को क्लस्टर पंचायतों में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों के आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में कुल 263 विभिन्न समस्याओं से सम्बधित आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 194 आवेदनों का मौक़े पर ही निराकरण किया गया एवं शेष 69 आवेदनों का जल्द निराकरण के निर्देश दिये गए।शिविर में प्राप्त आवेदनो के निराकरण के साथ ही दस्तावेजों का वितरण भी किया गया। स्वामित्व योजना अंतर्गत 100 स्वामित्व कार्ड बांटे गए। कलेक्टर सोनी के निर्देश पर अपर कलेक्टर एवं एसडीएम शिविर में पहुंच कर जायजा लिये और आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिये। इसके साथ ही दास्तावेजों का वितरण भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील बलौदाबाजार में 53 आवेदन में से 46 का निराकरण किया गया। लवन में 96 में से 58, पलारी में 38 में स्व 15, भाटापारा में 23 में से 22, सिमगा में 26 में से 25 आवेदन, सुहेला में 10 में से 8 एवं टुण्ड्रा में 7 में से 3 आवेदन एवं सोनाखान में 18 में से 17 आवेदनों का निराकरण किया गया है।

जिलाध्यक्ष ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से की मुलाकात

पाटन । पाटन विधानसभा।जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाअध्यक्ष राकेश ठाकुर ने दिल्ली प्रवास के दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। वे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए, ।जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद सोनिया गांधी एवं कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी से भेंट हुई ।दिल्ली में आयोजित कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की बैठक में शामिल होने पहुंचे राकेश ठाकुर ने पार्टी के जमीनी संगठन को मजबूत करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, आगामी चुनावी रणनीति तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर महत्वपूर्ण मंथन किया गया।इस दौरान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने जिला अध्यक्षों को संगठन सुदृढ़ीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को जनता के बीच सक्रिय रहकर केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों को लेकर जनजागरण अभियान चलाने पर जोर दिया ?

आबकारी टीम द्वारा 46 बल्क लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त

बलौदाबाजार। आबकारी आयुक्त आर संगीता के निर्देश पर कलेक्टर दीपक सोनी एवं जिला आबकारी अधिकारी मुकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने 46 बल्क लीटर अवध मदिरा जब्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पलारी में बाल समुंद तालाब के पास विमल गुटखा के बड़े थैले में रखे 98 पाव देशी मदिरा मसाला 17.64 बल्क लीटर लावारिस रूप से रखे जब्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 9,800 होना पाया गया। अज्ञात आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का प्रकरण कायम कर प्रकरण को विवेचना पर लिया गया एवं तेजेश्वर गहिरवारे थाना पलारी अंतर्गत निवासी टीला के कब्जे से 7.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 4,000 होना पाया गया। आरोपी तेजेश्वर गहिरवारे के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का प्रकरण कायम कर प्रकरण को विवेचना पर लिया गया। इसी प्रकार बलौदाबाजार वृत्त में आबकारी विभाग की टीम द्वारा ग्राम करमंदा निवासी आरोपी डागेश्वर प्रसाद वर्मा के कब्जे से 7.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला एवं लवन निवासी आरोपी संदीप निषाद के कब्जे से 9.00 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला कुल 16.2 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 9,000 होना पाया गया। आरोपीयों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) का प्रकरण कायम कर प्रकरण को विवेचना पर लिया गया। सिमगा में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी संतु कटेर ग्राम साराडीह थाना सहेुला के कब्जे से 5.4 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जप्त किया गया । देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 3,000 होना पाया गया।

जोन-3 में निर्माण एवं सफाई कार्यो का किया गया निरीक्षण

भिलाईनगर । जोन-3 क्षेत्रांतर्गत नव निर्माण सुलभ शौचालय, केयरटेकर रूम निर्माण, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट, सब्जी मार्केट का निरीक्षण कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह द्वारा किया गया। जोन में चल रहे कार्यो को और बेहतर करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह ने वार्ड क्रं. 37 में डी.एम.एफमद से नव निर्माण सुलभ शौचालय का निरीक्षण किये। इस शौचालय के निर्माण होने से सैकड़ो नागरिको का सुविधा मिलेगी। रविदास नगर सब्जी मंडी सुलभ इंटरनेशनल शौचालय में अतिरिक्त केयरटेकर के लिए रूम निर्माण किया जा रहा है जिसका निरीक्षण किया गया। नागरिको को किसी प्रकार की असुविधा होने पर केयरटेकर द्वारा तत्काल उसका मौके पर निराकरण कर सके। सर्कुलर, जवाहर, अनाज, सब्जी मार्केट की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा किया गया है। दुकानों के सामने एवं सड़को पर फैले कचरे को एकत्र कर एस.एल.आर.एम. सेंटर में खाद बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव, स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के सुपरवाईजर उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास लोन मेला का आयोजन

चार जोन कार्यालयों में 16 से 19 फरवरी तक मिलेगा लाभ, सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक लगेंगे बैंक स्टॉल, पक्के मकान के सपने को साकार करने का सुनहरा अवसर

दुर्ग । नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास दिवस के रूप में आवास लोन मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष पहल के माध्यम से ऐसे हितग्राही, जिन्हें अपने मकान निर्माण या खरीद हेतु बैंक लोन की आवश्यकता है, वे इस मेले में शामिल होकर विभिन्न बैंकों से सीधे संपर्क कर आवास ऋण की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। यह मेला 16 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय बोरसी, 17 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय आदित्य नगर, 18 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय उरला तथा 19 फरवरी 2026 को जोन कार्यालय पद्मनाभपुर में आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक स्थल पर मेला सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक लगेगा। मेले में सर्व बैंक प्रतिनिधियों द्वारा स्टॉल लगाकर हितग्राहियों को ऋण प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाएगी। नगर निगम द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आवास लोन मेला का लाभ उठाएं और अपने पक्के घर के सपने को साकार करें। अधिक जानकारी हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय, डाटा सेंटर में संपर्क किया जा सकता है।जन संपर्क/राजू बक्शी

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की मंडल बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

बलौदा बाजार । भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा की मंडल स्तरीय बैठक बुधवार को सिमगा में सम्पन्न हुआ। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मंडल प्रवास के दौरान भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष चरणदास तेहरवंश का कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। फूल-मालाओं एवं नारों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही भाजपा का लक्ष्य है। जिलाध्यक्ष चरणदास तेहरवंश ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति समाज के उत्थान के लिए भाजपा निरंतर कार्य कर रही है और सभी कार्यकर्ताओं को समर्पण भाव से सेवा में जुटना चाहिए।

वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल पांडेय ने भी बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं विकास कार्यों पर प्रकाश डाला तथा कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति निष्ठावान रहकर कार्य करने की प्रेरणा दी। बैठक में नरोत्तम बघेल अनुसूचित जाति मोर्चा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य **राम बंजारे, जिला अनुसूचित जाति मोर्चा, मीडिया प्रभारी** -चुरामणि साहू उपाध्यक्ष भाजपा मंडल रोहांसी, छोटू यदु, महामंत्री योगेश, राहुल साहू, महामंत्री विकाश सोनकर, उपाध्यक्ष न.प अभिजीत अवस्थी, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, उपाध्यक्ष सूर्यकांत ताम्रकार, भागवत वर्मा, विष्णु जायसवाल टुकेश, देवांगन पीताम्बर सोनकर, अनूप तिवारी, परस पाटकर, गोविंदा घृतलहरे, रोहित कुर्रे, दीपक बांधे, हेमलाल कुर्रे, कमल ओगर, ओमप्रकाश बंजारे, समी टंडन, मुकेश बंजारे बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगामी 18 फरवरी से कलेक्टर जनदर्शन अब हर बुधवार को

दुर्ग । जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर जनदर्शन के आयोजन दिवस में परिवर्तन किया गया है। अभी तक यह जनदर्शन प्रत्येक सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया जाता था। जिले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के क्षेत्र भ्रमण एवं दौरों के कारण कार्यालयीन कार्यों तथा आम नागरिकों से भेंट के समय में अनियमितताएं सामने आ रही थीं। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित करने एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत आगामी 18 फरवरी 2026 से कलेक्टर जनदर्शन प्रति सप्ताह बुधवार को प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण हेतु निर्धारित दिवस एवं समय पर उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com